आश्विन शुक्ल - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 66 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 28-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल और लालू घुसपैठियों को मतदान का अधिकार दिलाना चाहते हैं : अमित शाह

6 शेर, ऊंट, सियार और कौवा

7 'होमबाउंड' फिल्म के किरदारों को हल्के में नहीं ले सकते : ईशान खट्टर

फर्स्ट टेक

नेतन्याहू ने ठुकराई संघर्ष विराम की मांग

दीर अल-बलाह/एपी। गाजा में बीती रात हुए इजराइली हमलों में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल पर संघर्ष विराम का दबाव बढ़ रहा है, हालांकि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध जारी रखने पर अड़े हुए हैं। अल-अवदा अस्पताल में एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मध्य और उत्तरी गाजा में मकानों पर हुए हमलों में लोगों की जान चली गई, जिनमें नुसरत शरणार्थी शिविर में रहने वाले एक परिवार के नौ सदस्य शामिल हैं। इससे कुछ घंटे पहले नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए कहा था कि इजराइल को गाजा में हमास का का खात्मा करना है। इजराइल के अलग-थलग पड़ने के कारण उसपर युद्ध को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने का फैसला करने वाले देशों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हालांकि, इजराइल ने इस मान्यता को खारिज कर दिया है।

एलपीजी टैंकर पर इजराइली ड्रोन से हमला

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के गृह मंत्री ने शनिवार को बताया कि इस महीने की शुरुआत में एलपीजी के एक टैंकर पर एक इजराइली ड्रोन से हमला किया गया था और जहाज पर 24 पाकिस्तानी नागरिकों समेत चालक दल के 27 सदस्यों को हूती विद्रोहियों ने हिरासत में ले लिया था। मंत्री मोहसिन नकवी ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा कि चालक दल के सदस्यों को बाद में रिहा कर दिया गया था। नकवी ने बताया कि टैंकर को 17 सितंबर को उस समय निशाना बनाया गया जब वह यमन के रास इस्सा बंदरगाह पर था। उन्होंने बताया कि हमले के बाद एलपीजी के एक टैंक में विस्फोट हो गया था लेकिन चालक दल आग बुझाने में कामयाब रहा था। मंत्री ने कहा, बाद में हूती नौकाओं ने जहाज को रोक लिया और चालक दल के सदस्यों को जहाज पर ही बंधक बना लिया। उन्होंने कहा कि चालक दल को 'हूती विद्रोहियों ने छोड़ दिया है और वे यमन के जलक्षेत्र से बाहर हैं।

28-09-2025 सूर्यास्त 6:11 बजे | 29-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,426.46	24,654.70
(-733.22)	(-236.15)

सोना	चांदी
11,828 रु.	145,350 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

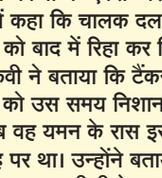

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मावलोकन

अपनी जड़ताओं को,
ऊँची टाँक कर तो देखो।
भीतर की गंदगी को,
थोड़ा ढाँक कर तो देखो।
अपनी कमजोरी को,
जरा आँक कर तो देखो।
बस एक बार गिरेबां में,
अपने झाँक कर तो देखो।।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा

ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले बरेली में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच हुई झड़प को लेकर कड़ा रुख अख्तार करते हुए शनिवार को कहा कि ''(दंगाइयों को) ऐसा सबक सिखाएंगे कि आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी।''

एक मीडिया संस्थान के ''विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2024'' कार्यक्रम में बरेली मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सख्त संदेश दिया है कि कानून-व्यवस्था में खलल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में बिना किसी का नाम लिए कहा, ''कल आपने बरेली के अंदर देखा होगा... वो मौलाना भूल गया कि शासन किसका है, उसने सोचा कि धमकी देंगे और जाम कर देंगे, मैंने कहा जाम नहीं होगा, कर्फ्यू नहीं लगेगा... सबक तुम्हें ऐसा सिखा देंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ी दंगा करना भूल जाएगी।''

योगी की यह चेतावनी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलवी तौकीर रजा खान की तरफ प्रतीत हो रही है, जिन्होंने शुरुआत में ''आई लव मोहम्मद'' अभियान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद एक मस्जिद के बाहर इकट्ठा हुए स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच झड़प हो गई।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पुष्टि की थी कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जिसके तहत किसी भी मार्च या प्रदर्शन के लिए लिखित अनुमति आवश्यक है। इसके बावजूद कुछ लोग सड़कों पर उतर आए और शांति भंग करने का प्रयास किया, जिसके कारण पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की और 24 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया।

तमिलनाडु के करूर में विजय की रैली में मची भगदड़ में आठ बच्चों समेत 36 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/करूर/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि शनिवार को चेन्नई से लगभग 400 किलोमीटर दूर करूर में अभिनेता एवं राजनेता विजय की रैली में मची भगदड़ में आठ बच्चों समेत 36 लोगों की मौत हो गई।

स्टालिन ने स्थिति की समीक्षा के लिए सचिवालय में राज्य के शीर्ष अधिकारियों की बैठक बुलाई और बताया कि मृतकों में 16 महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने इस घटना की जांच के लिए न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन के नेतृत्व में एक जांच आयोग के गठन की भी घोषणा की।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार से भगदड़ पर रिपोर्ट मांगी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी करूर में भगदड़ के बाद की स्थिति की जानकारी लेने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और स्टालिन से बात कर हर संभव केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया। अधिकारियों के अनुसार, भगदड़ शाम करीब साढ़े सात बजे उस समय मची जब विजय अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे।

भारी संख्या में समर्थक दोपहर में ही इकट्ठा हो गए थे और टीवीके नेता व फिल्म कलाकार की एक झलक पाने के लिए घंटों से इंतजार कर रहे थे।

विजय की पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने जब लोगों को बेहोश होते और गिरते देखकर शोर मचाया तब उन्होंने अपनी रैली रोक दी।बेहोश होने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

कांग्रेस ने जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्यों में कांग्रेस सरकारें लोगों और केंद्र की विकास पहल के बीच ''बाधा'' बन गई हैं।

झारसुगुड़ा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश के लोगों को लूटा और निम्न आय वर्ग के लोगों पर भी कर लगाया। मोदी ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में 'नमो युवा समावेश' को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अपनी नीतियों और हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर को युक्तिसंगत बनाने के माध्यम से लोगों के लिए दोहरी बचत और दोहरी कमाई सुनिश्चित की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा ने देश को कांग्रेस शासन के दौरान व्याप्त लूट की संस्कृति से बचाया।

मोदी ने कहा, ''कांग्रेस ने लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा। जब हमें सेवा का अवसर मिला, तो हमारी सरकार ने देश को पिछली सरकार के शोषण से सफलतापूर्वक मुक्त कराया। अब, दोहरी बचत और दोहरी कमाई का एक नया युग शुरू हो गया है। पहले लोगों को 2 लाख रुपए तक की आय पर भी कर देना पड़ता था। आज, 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले लोगों को कर से छूट दी गई है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि लोग अधिक बचत कर सकें।

मोदी ने कहा, ''जीएसटी में सुधारों से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है कि लोग काफी बचत कर सकते हैं। एक लाख रुपए खर्च करने पर 25,000 रुपए कर देने की बजाय, अब उनका कर अनुपात घटकर 5,000 रुपए रह जाएगा, जिससे उन्हें लगभग 20,000 रुपए की बचत होगी।'' इस पर उपस्थित लोगों ने तालियां बजाईं। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने हाल ही में कर दरों को युक्तिसंगत बनाने और पांच व 18 प्रतिशत की दो दरें कायम रखने का निर्णय लिया था। 22 सितंबर से लागू इस फैसले से उत्पादों व सेवाओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद थी।

प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि राज्यों में कांग्रेस सरकारें लोगों और केंद्र की विकास पहल के बीच ''बाधा'' बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''2014 तक कांग्रेस देश को लूट रही थी।

बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत की

झारसुगुड़ा/भाषा। दूरसंचार अवसंरचना को मजबूती देते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया, जिससे भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले प्रतिष्ठित देशों की सूची में शामिल हो गया। बीएसएनएल की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री ने 97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का भी उद्घाटन किया, जिनमें से 92,600 टावर इसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता की 4जी तकनीक से लैस हैं। इन टावरों का निर्माण लगभग 37,000 करोड़ रुपए की लागत से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के साथ किया गया है। बीएसएनएल और उसके साझेदारों के समर्पण की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि स्वदेशी 4जी स्टैक की शुरुआत से भारत का डेनमार्क, स्वीडन, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों की श्रेणी में प्रवेश हो गया है, जो स्वदेशी दूरसंचार उपकरण बनाते हैं।

जयशंकर ने संरा में पाकिस्तान को सुनाई खरी-खोटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत आजादी के बाद से ही आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है जबकि उसका पड़ोसी देश 'वैश्विक आतंकवाद का केंद्र' रहा है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की आम बहस को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सीमा पार बर्बरता का सबसे ताजा उदाहरण पहलगाम हमला है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से दुनिया भर के नेताओं को संबोधित करते हुए भारत की जनता की ओर से नमस्कार के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि दशकों से बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमलों का कारण इसी एक देश को माना जाता रहा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल में उपस्थित लोगों की तालियों के बीच कहा, भारत आजादी के बाद से ही आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है क्योंकि उसका पड़ोसी देश वैश्विक आतंकवाद का केंद्र रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादियों की सूची में पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, पड़ोसी मुल्क की सीमा पार से हुई बर्बरता का सबसे ताजा उदाहरण इस साल अप्रैल में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या है।

जयशंकर ने कहा, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया और आतंकवाद के आकाओं और अपराधियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया।

भारत ने आगाह किया कि जो लोग आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों का समर्थन करते हैं, उन्हें पता चलेगा कि यह उन्हें ही काटेगा।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था।

ट्रंप 'घरेलू आतंकवादियों' से निपटने के लिए पोर्टलैंड में सेना भेजेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह ओरेगॉन के पोर्टलैंड शहर में सेना भेजेंगे, तथा ''घरेलू आतंकवादियों'' से निपटने में जरूरत पड़ने पर इसके इस्तेमाल की अनुमति देंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह रक्षा विभाग को निर्देश दे रहे हैं कि वह ''युद्धग्रस्त पोर्टलैंड की रक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैनिक उपलब्ध कराए।'' ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन संस्थानों की सुरक्षा के लिए आवश्यक था, जिसे उन्होंने ''एंटीफा और अन्य घरेलू आतंकवादियों के निशाने पर'' बताया। रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बाद से, राष्ट्रपति ट्रंप ने 'रैडिकल लेफ्ट'' का सामना करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है, जिसे वे देश की राजनीतिक हिंसा की समस्याओं के लिए जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने गर्मियों में लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड और सक्रिय-ड्यूटी वाली मरीन को तैनात किया था।

हमारे खिलाफ किसी भी आक्रमण का करारा जवाब दिया जाएगा : रूस

संयुक्त राष्ट्र/एपी। रूस के विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव ने शनिवार को विश्व के नेताओं से कहा कि उनके देश का यूरोप पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन उनके देश (रूस) के खिलाफ किसी भी आक्रमण का करारा जवाब दिया जाएगा।

लावरोव ने यह बात ऐसे समय कही जब नाटो के हवाई क्षेत्र में अनधिकृत उड़ानों को लेकर हाल के सप्ताह में पूरे यूरोप में चिंता उत्पन्न कर दी है। ऐसा विशेष रूप से नाटो जेट विमानों द्वारा पोलैंड के ऊपर ड्रोन मार गिराये जाने और एस्टोनिया के यह कहने के बाद हुआ कि रूसी लड़ाकू विमानों ने उसके क्षेत्र में उड़ान भरी और 12 मिनट तक क्षेत्र में रहे। हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के आरोप रूस पर लगाये गए हैं।

रूस ने इससे इनकार किया कि उसके विमानों ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया और कहा कि ड्रोन ने पोलैंड को निशाना नहीं बनाया। वहीं, मास्को के सहयोगी बेलारूस ने कहा कि यूक्रेन द्वारा सिग्नल-जाम करने के कारण ड्रोन मार्ग भटक गए। लावरोव ने कहा, ''रूस का यूरोपीय या नाटो देशों पर हमला करने का न तो कभी इरादा रहा है और न ही है। हालांकि, मेरे देश के खिलाफ किसी भी आक्रमण का करारा जवाब दिया जाएगा।''

शीर्ष अदालत का अंतिम निर्णय आने तक तमिलनाडु वक्फ बोर्ड का नहीं होगा पुनर्गठन : मंत्री

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के अल्पसंख्यक एवं अनिवासी तमिल कल्याण मंत्री एस एम नासर ने शनिवार को कहा कि राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक उच्चतम न्यायालय वक्फ कानून संशोधन को दी गयी चुनौती पर अपना अंतिम फैसला नहीं सुना देता। नासर ने यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''चूंकि वक्फ संशोधन अधिनियम से संबंधित याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं, ऐसे में जब तक अंतिम फैसला नहीं सुनाया जाता, तब तक राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन वक्फ संशोधन अधिनियम के अनुसार नहीं किया जाएगा क्योंकि इस संशोधन अधिनियम को केंद्र सरकार ने जल्दबाजी में लागू किया था।'' मंत्री ने कहा कि द्रमुक सरकार ने वक्फ कानून के साथ छेड़छाड़ का लगातार विरोध किया और राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में इस संशोधन को चुनौती भी दी है तथा शीर्ष अदालत ने 15 सितंबर, 2025 को वक्फ संशोधन अधिनियम के चुनिंदा प्रावधानों पर रोक लगाते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया है। केंद्र के अनुसार, एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (यूएमईईडी) संशोधन अधिनियम, 2025 का उद्देश्य संपत्ति प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाकर शासन में सुधार करना है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य वक्फ बोर्ड और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करना तथा हितधारकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सहज स्मृति योग

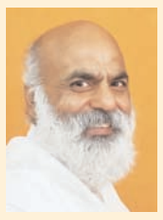

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, भारत वर्ष में शिक्षित वर्ग का एक बड़ा प्रतिशत अब यह मानने लगा है कि धर्म, मजहब और रिलीज़न एक ही पलड़े पर नहीं तोले जा सकते क्योंकि मनुष्य के धार्मिक होने की आइडेंटिटी विभाजनकारी दृष्टि से नहीं बल्कि सर्वत्र एकत्व दर्शन की दृष्टि से बनी है। इसलिए धर्म निरपेक्षता पर भारतीय संविधान में किए गए प्रावधानों को नवीन दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। इस पर आप क्या कहते हैं ?

उत्तर: पहली बात तो यह है कि विश्व में वर्तमान समय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी न किसी राष्ट्र या देश का नागरिक होना ही हम सब मनुष्यों की सर्व स्वीकृत अस्मिता है जबकि, धर्म, मजहब, रिलीज़न, आइडियोलॉजी आदि की अस्मिता, प्राथमिक तौर पर हमारे किसी न किसी देश के नागरिक हुए बग़ैर अव्यावहारिक और असंभव है। दूसरी बात यह है कि, सब अपने देश के हित को प्राथमिक घोषित करते हैं परंतु , कितने देशों या उनके नागरिकों का व्यवहार उनकी इस घोषणा के अनुकूल होता है ? कितने ही लोग या देश प्राथमिक तौर पर मजहब, रिलीज़न, आइडियोलॉजी की अस्मिता को दृष्टि में रखकर व्यवहार कर रहे हैं ! जिससे दुनियाँ में घृणा और हिंसा फ़ैल रही है। क्योंकि अस्मिताओं का व्यतिक्रम व्यक्ति का विवेक नष्ट कर उसके व्यवहार में असत्य और अनाचार ले आता है । धर्म ऐसा नहीं करता। धर्म सबका अस्तित्व स्वीकार कर व्यवहार में आचार प्रकट करता है। अतः धर्म-सापेक्ष जीवन ही मनुष्य-मात्र के लिए कल्याणकारी है। इसलिए न केवल किसी देश विशेष के संविधान में आए धर्म निरपेक्षता शब्द और उसके भाव (स्पिरिट) को पारस्परिक संवाद के माध्यम से सुस्पष्ट करना आवश्यक है बल्कि, पूरे विश्व की मानवता को अपने अस्मिता-क्रम को अपनी चेतना में व्यवस्थित करने की आवश्यकता है ताकि, मनुष्य किसी भी देश में रहे वह निर्द्वंद रहकर उन सभी अस्मिताओं के अनुकूल व्यवहार कर सके जिनको निभाना उसका जीवन चरित्र है। राष्ट्र-चरित्र और व्यक्ति-चरित्र भिन्न नहीं होते। यदि कोई उन्हें भिन्न देखता है तो वह चरित्र भ्रष्ट हो जाता है, चरित्र भ्रष्ट होने पर संशय उत्पन्न हो जाता है जिससे विवेक नष्ट हो जाता है।और आत्म-विनाश के लिए अविवेक रामबाण है ।

कर्मचारी बने रहने के बजाय उत्पाद बनाना महत्वपूर्ण है : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि कर्मचारी बनकर रहने के बजाय उत्पाद बनाना महत्वपूर्ण है और उत्पाद 100 प्रतिशत राजस्व की गारंटी देते हैं।

विजयवाड़ा में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के स्वदेशी 4जी मोबाइल नेटवर्क का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय दूसरों द्वारा बनाए गए 24 प्रतिशत ऐप डाउनलोड कर रहे हैं, जिसके लिए उन्हें 95 प्रतिशत विदेशी कंपनियों को भुगतान करना पड़ रहा है। नायडू ने कहा, '' हम नौकरी कर रहे हैं, जो हमें नहीं करना चाहिए। पैसा उत्पाद बनाने में है। अगर हम उत्पाद बना सके, तो हमें 100 प्रतिशत राजस्व और रॉयल्टी भी मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि पेटेंट प्राप्त करना भी महत्वपूर्ण है। नायडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनका सपना देश में हर किसी के पास स्मार्टफोन देखना है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश यह प्रदर्शित करेगा कि किस प्रकार स्मार्टफोन ने जीवन को आसान बना दिया है।

उन्होंने 4जी प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि दक्षिणी राज्य में 'मन मित्र' जैसी सेवाएं शुरू करना आवश्यक था, जिससे लोगों को 700 से अधिक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

नायडू के अनुसार, उन्होंने 1998 में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट दी थी, जिसके कारण दूरसंचार क्षेत्र में ''विनियमन में ढील'' आई और उन्होंने पाया कि बीएसएनएल आज एक ''शक्तिशाली'' संस्था बन गई है।

तेदेपा प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को सभी का गौरव करार दिया और कहा कि उनमें दूरदर्शिता और दृष्टिकोण हैं।

बुलेट ट्रेन परियोजना का पूरा मुंबई-अहमदाबाद खंड 2029 तक खुल जाएगा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहां कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का गुजरात के सूरत से बिलिमोरा के बीच तक का 50 किलोमीटर लंबा हिस्सा 2027 में खुलेगा और 2029 तक मुंबई से अहमदाबाद के बीच पूरे खंड पर परिचालन शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि परिचालन शुरू होने के बाद बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच की दूरी मात्र दो घंटे सात मिनट में तय कर लेगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना बहुत अच्छी तरह से प्रगति कर रही है।

वैष्णव ने निर्माणाधीन सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और पटरी बिछाने के कार्यों व इसके पहले 'टर्नआउट इंस्टॉलेशन' का निरीक्षण किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की समग्र प्रगति बहुत अच्छी है। सूरत और बिलिमोरा के बीच परियोजना का पहला 50 किलोमीटर का खंड 2027 तक खुल जाएगा। हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। 2028 तक, पूरा ठाणे-अहमदाबाद खंड चालू हो जाएगा और 2029 तक पूरा मुंबई-अहमदाबाद खंड खुल जाएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सैनिकों के लिए फुटओवर ब्रिज की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट सेंटर पर फुटओवर ब्रिज की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा यह हमारे बहादुर सैनिकों के लिए दिवाली का तोहफा है, जिन्हें पहले सड़क पार करने के लिए सड़क के नीचे बने बेहद नीची और गंदी सुरंग से होकर गुजरना पड़ता था। जैसे ही राजपूताना राइफल्स की टीम ने हमें इस समस्या की जानकारी दी, हमारी सरकार ने तुरंत इसपर कार्रवाई कर फुटओवर ब्रिज के निर्माण के लिए स्वीकृति दे दी। रिंग रोड स्थित राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट सेंटर पर फुटओवर ब्रिज (एफओबी) की लंबे समय से लंबित मांग को अब पूरा करने के लिये लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने काम शुरू कर दिया है।

फिलहाल सैनिकों के वास्ते रेजिमेंट सेंटर और बैरकों के बीच आने-जाने के लिए कोई अंडरपास या पुल नहीं है, जिसके कारण उन्हें भूमिगत नाले का इस्तेमाल करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने हमारे सैनिकों की इस मांग को नज़रअंदाज किया, या शायद इसलिए कि वे हमारे सैनिकों के महत्व को समझ नहीं पाए। जो भी कारण रहा हो, हमारी सरकार ने अब फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी है और काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।''

शर्मिला ने मुख्यमंत्री नायडू पर 'आरएसएस की विचारधारा अपनाने' का आरोप लगाया

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने तिरुपति मंदिर के धन का उपयोग करके दलित बस्तियों में 5,000 मंदिरों के निर्माण के अपने फैसले में कथित रूप से आरएसएस की विचारधारा को अपनाया है। विपक्षी नेता ने मांग की कि मंदिर निर्माण के बजाय तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) अपने धन का उपयोग दलित बस्तियों में बुनियादी ढांचे और विकास के लिए करे।

विजयवाड़ा के अजित सिंह नगर में 'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान चलाते हुए शर्मिला ने पूछा, आप टीटीडी के अतिरिक्त धन का उपयोग दलित बस्तियों के विकास के लिए क्यों नहीं करते? उन्होंने कहा, ''यदि नायडू वास्तव में दलितों के उत्थान में रुचि रखते हैं तो वह उनके विकास पर ध्यान क्यों नहीं दे सकते?'' उन्होंने दावा किया कि एक कल्याण छात्रावास में 200 छात्राएं एक ही शौचालय का उपयोग करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने सवाल किया कि नायडू टीटीडी फंड से दलितों की आवश्यकताओं की पूर्ति करके छात्रावासों में सुविधाएं क्यों नहीं प्रदान कर सकते और दलित बस्तियों में स्वच्छता पर ध्यान क्यों नहीं दे सकते। उन्होंने सवाल किया, अगर दलित बस्तियों में मंदिर बनाए गए तो उनमें पुजारी कौन होगा? आप ब्राह्मणों को पुजारी नियुक्त करेंगे या दलितों को? शर्मिला ने कहा, टीटीडी एक बहुत ही पवित्र संस्था है, इससे कोई इनकार नहीं करता, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि मंदिर निर्माण के माध्यम से देश भर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा को लागू करना संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि नायडू ने भाजपा के दक्षिणपंथी एजेंडे को अपना लिया है।

आतंकवाद को खत्म करना लोगों की भी जिम्मेदारी : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

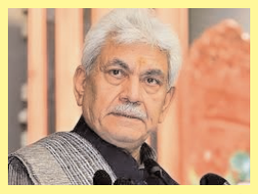

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि सरकार और सुरक्षा बल अपना काम कर रहे हैं, लेकिन आतंकवाद को खत्म करना केंद्र शासित प्रदेश के लोगों की भी जिम्मेदारी है। सिन्हा ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि देश भर में आतंकवाद में काफी कमी आई है और अब यह बहुत कम इलाकों तक सीमित रह गया है। उन्होंने कहा, ''देश के अन्य हिस्सों में भी आतंकवाद कम हुआ है। पूर्वोत्तर अब काफी हद तक आतंक मुक्त है। वामपंथी उग्रवाद या नक्सलवाद अब कुछ जिलों तक ही सिमट कर रह गया है और मुझे यकीन है कि अगले कुछ महीनों में यह देश से खत्म हो जाएगा।'' उपराज्यपाल ने कहा कि कर्नाटक, केरल और विशेषकर जम्मू कश्मीर के कुछ क्षेत्र लंबे समय से आतंकवाद से प्रभावित हैं और यह जरूरी है कि आतंकवाद का सफाया किया जाए। जम्मू कश्मीर में हालात में काफी सुधार होने का दावा करते हुए सिन्हा ने कहा कि सड़कों पर हिंसा और पथराव अब बीते जमाने की बात हो गई है।

उन्होंने कहा, ''स्कूल, कॉलेज और व्यवसाय देश के दूसरे हिस्सों की तरह ही चल रहे हैं। किसी भी बड़े आतंकी संगठन का कोई भी शीर्ष कमांडर अब जिंदा नहीं है। इस साल अब तक, आतंकी संगठनों में सिर्फ एक ही स्थानीय भर्ती हुई है।''

भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले देशों के प्रतिष्ठित क्लब में शामिल : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी स्टैक शुरू होने पर कहा कि भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। भारत की छवि एक सेवा प्रदाता और उपभोक्ता राष्ट्र से बदलकर उत्पादन, नवाचार, उद्यमिता और निर्यात के केन्द्र के रूप में बदल गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ओडिशा से पूरे देश में स्वदेशी 4जी स्टैक की एक साथ शुरुआत करने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा, पहले भारत एक सेवा (प्रदाता) राष्ट्र था, लेकिन अब हम एक उत्पादक राष्ट्र हैं। पहले हमें एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज हम एक नवाचार, उद्यमिता और निर्यात केंद्र हैं। प्रधानमंत्री मोदी के 'भारत के लिए नवाचार, मानवता के लिए नवाचार' के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर देश आज डेनमार्क, स्वीडन, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल हो गया है, जो स्वयं दूरसंचार उपकरण बनाते हैं। इस शुरुआत से दूरदराज के गांवों, सीमावर्ती क्षेत्रों, द्वीपों, पहाड़ी इलाकों और इंटरनेट की कम पहुंच वाले स्थानों तक 4जी नेटवर्क की उपलब्धता हो सकेगी।

सीमा पार से आतंकवादी घुसपैठ की फिराक में हैं, सुरक्षा बल सतर्क हैं : बीएसएफ आईजी

श्रीनगर/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने शनिवार को कहा कि सीमा पार से आतंकवादी कश्मीर घाटी में घुसपैठ की फिराक में हैं, लेकिन सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए तैयार हैं। यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सर्दी की शुरुआत से पहले घाटी में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशें आमतौर पर तेज हो जाती हैं। उन्होंने कहा, बर्फबारी से पहले हमेशा घुसपैठ की कोशिशें होती हैं। अभी लगभग दो महीने बाकी हैं और नवंबर तक घुसपैठ की आशंका बनी रहती है। आतंकवादी इस अवधि में अधिक सक्रिय रहते हैं। लेकिन सुरक्षा बलों की सतर्कता के कारण घुसपैठ करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने बताया कि आतंकवादी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के दूसरी ओर मौजूद हैं और घाटी में घुसपैठ करने के मौके की तलाश में हैं। बीएसएफ के अधिकारी ने कहा, बांदीपोरा और कुपवाड़ा सेक्टरों में एलओसी के पार आतंकवादी सक्रिय हैं। वे घुसपैठ की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन हमारी सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी है।

भाजपा ने लद्दाख में छठी अनुसूची संबंधी वादे को लेकर विश्वासघात किया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत लाने का वादा किया था लेकिन वह इस वादे को भूल गई और लोगों की आकांक्षाओं के साथ लगातार विश्वासघात किया।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह भी कहा कि पिछले दिनों हुई हिंसा में चार लोगों की मौत की घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि संविधान की छठी अनुसूची पूर्वोत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों को स्वायत्तता और स्वशासन के उपाय सुनिश्चित करती है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कांग्रेस, केंद्र सरकार द्वारा लद्दाख में स्थिति को संभालने के दयनीय तरीके अपनाने और उसके बाद कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संकट का मूल कारण भाजपा का लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं के साथ लगातार विश्वासघात है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अब एक साल से अधिक समय से उथल-पुथल मची हुई है और इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की लोगों की पुकार को धैर्यपूर्वक सुनने के बजाय, मोदी सरकार हिंसा से जवाब दे रही है। खरगे का कहना है कि भाजपा ने इस क्षेत्र को छठी अनुसूची के तहत दर्जा देने का वादा किया था, दुख की बात है कि उस वादे को पूरी तरह से छोड़ दिया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, कांग्रेस लद्दाख में शांति के अलावा कुछ नहीं चाहती। दशकों से, हमने यह सुनिश्चित किया है कि यह खूबसूरत सीमा क्षेत्र लोकतंत्र की भावना और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को बरकरार रखते हुए सामंजस्यपूर्ण और सुरक्षित बना रहे। खरगे ने यह भी कहा, हम चार निर्दोष युवकों की मौत और कई अन्य को लगी गंभीर चोटों की न्यायिक जांच की मांग करते हैं।

बीआरएस ने 'कांग्रेस बाकी कार्ड' जारी किया, 'अधूरे वादों' को लेकर रेवंत सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ शनिवार को 'कांग्रेस बाकी (कर्ज) कार्ड' अभियान की शुरुआत की और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सरकार ने समाज के विभिन्न वर्गों से किए गए हर वादे को तोड़ दिया। मीडिया से बात करते हुए राव ने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा किए गए झूठे वादे अब लोगों के हाथ में हथियार बन गए हैं। विपक्षी पार्टी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने लोगों से आगामी पंचायत और जुबली हिल्स उपचुनावों में कांग्रेस को करारा सबक सिखाने का आग्रह किया। राव ने कहा कि बाकी कार्ड' कांग्रेस के 'गारंटी कार्ड' का जवाब है, जिसके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि इसने 'खोखली प्रतिबद्धताओं' के साथ लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता, कार्यकर्ता और कर्मचारी घर-घर जाकर ये कार्ड वितरित करेंगे तथा लोगों को अधूरे वादों के बारे में शिक्षित करेंगे।

दो महीने में डिजिटल हो जाएंगी 90% सरकारी सेवाएं: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि नागरिकों के लिए 90 प्रतिशत सरकारी सेवाएं अगले दो महीने में डिजिटल हो जाएंगी और जल्द ही ये व्हाट्सऐप पर उपलब्ध होंगी।

फडणवीस ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के स्वदेशी 4जी नेटवर्क के उद्घाटन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ डिजिटल माध्यम से भाग लिया। दूरसंचार अवसंरचना को मजबूती देते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया, जिससे भारत दूरसंचार उपकरण बनाने वाले प्रतिष्ठित देशों की सूची में शामिल हो गया। बीएसएनएल की रजत जयंती पर प्रधानमंत्री ने 97,500 से अधिक 4जी मोबाइल टावरों का उद्घाटन भी किया, जिनमें से 92,600 टावर इसी टेलीकॉम सेवा प्रदाता की 4जी तकनीक से लैस हैं। पुणे में आयोजित कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा, देश के उन गांवों को अब 4जी नेटवर्क मिलेगा जो अभी तक जुड़े नहीं थे। दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था कि भारत के हर गांव को सड़क से जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि यही विकास का मार्ग है और उन्होंने छह लाख गांवों तक सड़क संपर्क सुनिश्चित किया।

अमेरिकी शुल्क भारत की वृद्धि के लिए बड़ा जोखिम : क्रिसिल इंटेलिजेंस

कोलकाता/भाषा। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अपनी सितंबर की रिपोर्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के उच्च शुल्क लगाने से देश की वृद्धि के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि शुल्क भारतीय वस्तुओं के निर्यात और निवेश दोनों को प्रभावित करेंगे। हालांकि, क्रिसिल इंटेलिजेंस ने यह भी कहा कि कम मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कटौती से प्रेरित घरेलू खपत से वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। देश की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 7.4 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत से घटकर 3.5% रहने की संभावना है।

मराठवाड़ा में भारी बारिश: कई गांवों से संपर्क टूटा, सड़कें जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के कई हिस्सों में शनिवार को लगातार बारिश हुई जिससे ग्रामीण इलाकों से संपर्क टूट गया और पारंपरिक रूप से सूखे की चपेट में आने वाले क्षेत्रों की सड़कें एवं पुल जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सुबह आठ बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में बीड, लातूर, धाराशिव, नांदेड़, परभणी और हिंगोली जिलों के कई हिस्सों में 65 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। एक अधिकारी ने बताया कि परभणी जिले के गंगाखेड़ में एक दिन में सबसे अधिक 143 मिमी बारिश हुई। अधिकारियों के अनुसार, हिंगोली जिले के कलमनुरी और वासमत तालुका में भारी बारिश हुई, जिससे तीन गांव जलमग्न हो गए। अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के कारण वासमत तालुका के चौंधी बहिरोबा और कलमनुरी के बिबथर और कोंढुर दिग्रस गांवों से संपर्क टूट गया है।

लातूर की जिलाधिकारी वर्षा ठाकुर घुगे ने बताया कि रातभर हुई भारी बारिश के कारण जिले के निचले इलाके, सड़कें और पुल जलमग्न हो गए। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, एहतियाती उपाय के तौर पर हमने जलभराव वाले पुलों और सड़कों को बंद कर दिया है। मंजारा नदी अपनी क्षमता से ऊपर बह रही है अगर बारिश जारी रही तो नदी के किनारे स्थित कुछ खेतों में पानी घुस सकता है।'' उन्होंने कहा कि बचाव दल पूरी तरह से तैयार हैं और ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि धाराशिव में प्रशासन ने भारी बारिश के कारण सड़कें बंद कर दी हैं और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों को भूम और परांदा तालुका में बचाव और राहत कार्यों के लिए तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग ने शनिवार के लिए नांदेड़, लातूर, बीड, हिंगोली, परभणी और धाराशिव जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मराठवाड़ा में 20 सितंबर से भारी बारिश और उफनती नदियों ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। बाढ़ के कारण कम से कम नौ लोगों की जान चली गई है और लाखों एकड़ फसलें नष्ट हो गई हैं।

मराठवाड़ा क्षेत्र में छत्रपति संभाजीनगर, जालना, लातूर, परभणी, नांदेड़, हिंगोली, बीड और धाराशिव शामिल हैं।

बीकेआई के आतंकवादी परमिंदर पिंडी को यूएई से प्रत्यर्पित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पित किया गया है।

यादव ने बताया कि विदेश में मौजूद आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और हैप्पी पासिया के करीबी सहयोगी परमिंदर सिंह उर्फ पिंडी को केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी से लाया गया है।

यादव ने कहा कि पिंडी गुरदासपुर के बटाला में पेट्रोल बम हमले, हिंसक हमलों और जबरन वसूली समेत कई जघन्य अपराधों में शामिल था।

डीजीपी ने कहा कि बटाला के हर्षा का निवासी पिंडी महज एक अपराधी नहीं है, बल्कि एक खतरनाक आतंकवादी-अपराधी सिंडिकेट का प्रमुख सदस्य है।

यादव ने कहा कि पिंडी अपराधों के समन्वय और अपने कृत्यों के वित्तपोषण के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर रहा था।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बटाला पुलिस के अनुरोध पर जारी रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम 24 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात गई और विदेश मंत्रालय तथा यूएई के अधिकारियों के साथ समन्वय किया।

यादव ने कहा कि सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस टीम आरोपी को भारत लाने में सफल रही। उन्होंने कहा, ''हम न्याय को कायम रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के इस संयुक्त प्रयास में उनके अमूल्य सहयोग के लिए विदेश मंत्रालय, संयुक्त अरब अमीरात सरकार, सीबीआई और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के आभारी हैं।''

द्रमुक को वोट देना भाजपा को वोट देना है : टीवीके प्रमुख विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामक्कल। टीवीके प्रमुख विजय ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) को 2026 के विधानसभा चुनाव में वोट देना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देना होगा। उन्होंने साथ ही राज्य के मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन पर निशाना साधते हुए इसे 'अनुचित और अवसरवादी' बताया।

विजय ने पश्चिमी कोंगु क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि द्रमुक परिवार की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ एक गुप्त सहमति है और इसलिए, द्रमुक को वोट देना भाजपा को वोट देना है। उन्होंने दोहराया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) फासीवादी भाजपा शासन के साथ द्रमुक सरकार की तरह कभी कोई गुप्त समझौता नहीं करेगा। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अक्सर अम्मा का नाम जपने के बावजूद पार्टी की दिवंगत प्रमुख जे. जयललिता के आदर्शों को भूल गई है और वह अवसरवादी भी है।

उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ अनुचित और अनुपयुक्त 'गठबंधन'' किया है और दावा करती है कि यह तमिलनाडु के कल्याण के लिए है और टीवीके इस तरह का अवसरवादी राजनीतिक रुख नहीं अपनाएगी। उन्होंने सवाल किया, केंद्र की भाजपा सरकार ने तमिलनाडु के लिए क्या किया? साथ ही यह सवाल भी किया कि क्या उसने तमिलनाडु को नीट के दायरे से छूट दी है। उन्होंने जानना चाहा कि क्या केंद्र सरकार ने राज्य को शिक्षा संबंधी पूरी धनराशि जारी की है या उन्होंने तमिलनाडु के अन्य सभी मुद्दों का उचित समाधान किया है।

उन्होंने कहा, तो फिर यह अवसरवादी गठबंधन क्यों? मैं नहीं पूछ रहा, एमजीआर (अन्नाद्रमुक संस्थापक नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन) के सच्चे समर्थक पूछ रहे हैं, वे जानना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक-भाजपा का गठबंधन और उनके संबंध सर्वविदित हैं और लोगों को उस गठबंधन पर भरोसा नहीं है और यह स्पष्ट है। उन्होंने कहा, ''साथ ही, कृपया यह न भूलें कि इस द्रमुक परिवार का गुप्त सौदा है, उनका भाजपा के साथ अप्रत्यक्ष संबंध है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में, यदि आप द्रमुक को वोट देते हैं, तो यह भाजपा को वोट देने जैसा होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक और भाजपा सार्वजनिक रूप से लड़ती हुई प्रतीत होती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, वास्तविकता यह है कि उनके बीच अप्रत्यक्ष संबंध हैं और इसलिए लोगों को सावधान रहने और सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि टीवीके आम जनता की आवाज है, जिसके पीछे विशाल 'मक्कल शक्ति' है। उन्होंने कहा कि वहीं, द्रमुक विचारधारा के नाम पर लोगों को धोखा देती है, तमिलनाडु को लूटती और धोखा देती है और 2026 का विधानसभा चुनाव इन्हीं दो पार्टियों, टीवीके और द्रमुक के बीच है।

खराब शासन के लिए द्रमुक पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसी सरकार को राज्य में सत्ता में बने रहना चाहिए और जब लोगों ने 'विजय' के नाम पर नारे लगाए, तो उन्होंने टीवीके को समर्थन देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि वह एक लड़ाई के लिए तैयार हैं। विजय ने आरोप लगाया कि किडनी चोरी एक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई, जो कथित तौर पर सत्तारूढ़ द्रमुक विधायक से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अवैध किडनी प्रतिरोपण से केवल नामक्कल के लोग ही प्रभावित हुए हैं, खासकर पावरलूम में काम करने वाली गरीब महिलाएं किडनी रैकेट के सरगनाओं के निशाने पर हैं। उन्होंने कहा कि इस अपराध के पीछे जो भी हो, टीवीके के सत्ता में आने पर उसे कड़ी सजा दी जाएगी।

उन्होंने कहा, ''यदि आप किडनी चोरी के शुरुआती बिंदु को देखें, तो पाएंगे कि यह सूदखोरी में निहित है; चूंकि द्रमुक सरकार के धोखेबाज मॉडल ने पावरलूम श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया, इसलिए उन्हें एक कोने में धकेल दिये गए, उन्हें अपने गुर्दे बेचने के लिए उकसाया गया।'' उन्होंने कहा कि पावरलूम श्रमिकों की समस्याओं के समाधान और उनके जीवन स्तर व आर्थिक स्थिति में सुधार के उपायों को 2026 के चुनावी घोषणापत्र के माध्यम से जनता तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले से ही शासन कर चुके और वर्तमान में शासन कर रही द्रमुक ने नामक्कल में अंडों के लिए उचित भंडारण सुविधा और अंडा उत्पादन केंद्र की सहायता के लिए उचित नैदानिक ङ्कङ्कप्रयोगशाला सुनिश्चित करने के बारे में सोचा तक नहीं।

पश्चिम कोंगु क्षेत्र का हिस्सा नामक्कल दशकों से अन्नाद्रमुक का गढ़ रहा है। कोंगु क्षेत्र में भाजपा का भी कुछ प्रभाव है। जब विजय ने अपना अभियान समाप्त किया, तो पार्टी के एक कार्यकर्ता ने उन्हें 'सेंगोल' भेंट किया।

अभिनेता विजय ने तमिलनाडु के नामक्कल में टीवीके के प्रचार अभियान की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामक्कल। तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष और अभिनेता विजय जोरदार नारों और भव्य स्वागत के बीच नामक्कल में पार्टी के पहले प्रचार अभियान के लिये पहुंचे। शनिवार को सुबह से ही राज्य के इस पश्चिमी इलाके में जश्न और उत्साह का माहौल था। बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, बुजुर्ग अपने प्रिय अभिनेता की एक झलक पाने के लिये सड़कों पर उमड़े थे। कई लोगों के लिए यह सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि जुड़ाव का एक पल था, एक ऐसा अवसर जिसका उन्हें कई दिनों से इंतजार था।

सुबह से ही नामक्कल में लोग एकत्र होने लगे थे। रास्ते के किनारे बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए लोगों ने विजय को ले जा रहे और विशेष रूप से तैयार किये गये वाहन को देखकर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। बच्चों को गोद में लिए महिलाएं, छात्रों के समूह, बुजुर्ग और स्कूल के बच्चे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे, उनके चेहरे खुशी से दमक रहे थे।

कुछ लोग झंडे लहरा रहे थे, तो कुछ ने तस्वीरें खींचीं, सभी इस खास मौके का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थे। सड़कों पर लोगों की भीड़ की वजह से विजय के काफिले की रफ्तार बेहद धीमी हो गयी। विजय का वाहन धीरे-धीरे पीके पुथुर की ओर बढ़ रहा था, जहां वह समर्थकों को संबोधित करने वाले थे। समर्थकों ने शहर की सड़कों को टीवीके के झंडों और बड़े-बड़े पोस्टरों से सजाया था, जिन पर उनके नेता की बड़ी-बड़ी तस्वीरें थीं, जिससे शहर में त्योहार जैसा माहौल बन गया था। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, महिला समर्थक काफिले के पीछे एक अलग वाहन में यात्रा कर रही थीं। कई महिलाएं उनकी एक झलक पाने के लिये घंटों पहले ही पहुंच गयी थीं। पुलिस ने शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। एक बयान में, टीवीके ने समर्थकों से अपील की कि वे पुलिस के निर्देशों का पालन करें।

विजय ने पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने शनिवार को कटाक्ष किया कि जिले के एक पूर्व (द्रमुक) मंत्री के कारण करूर अखिल भारतीय स्तर पर ''प्रसिद्ध'' हो गया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता सेंथिल बालाजी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री ने गलत कारणों से जिले को प्रसिद्ध बना दिया है। टीवीके अध्यक्ष को कुछ समय के लिए अपना भाषण रोकना पड़ा और दो एम्बुलेंस के जरिये उन कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ले जाया गया, जो अचानक भगदड़ जैसी स्थिति के कारण बेहोश हो गये थे। करूर की रैली में, विजय ने कार्यकर्ताओं को पानी की बोतलें दीं।

अपना भाषण फिर शुरू करते हुए उन्होंने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार ने 2021 में करूर में हवाई अड्डा स्थापित करने का वादा किया था, लेकिन अब उसने केंद्र से हवाई अड्डा स्थापित करने का आग्रह किया है।

शीर्ष अदालत का अंतिम निर्णय आने तक तमिलनाडु वक्फ बोर्ड का नहीं होगा पुनर्गठन : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के अल्पसंख्यक एवं अनिवासी तमिल कल्याण मंत्री एस एम नासर ने शनिवार को कहा कि राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक उच्चतम न्यायालय वक्फ कानून संशोधन को दी गयी चुनौती पर अपना अंतिम फैसला नहीं सुना देता। नासर ने यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''चूंकि वक्फ संशोधन अधिनियम से संबंधित याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं, ऐसे में जब तक अंतिम फैसला नहीं सुनाया जाता, तब तक राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन वक्फ संशोधन अधिनियम के अनुसार नहीं किया जाएगा क्योंकि इस संशोधन अधिनियम को केंद्र सरकार ने जल्दबाजी में लागू किया था।''

मंत्री ने कहा कि द्रमुक सरकार ने वक्फ कानून के साथ छेड़छाड़ का लगातार विरोध किया और राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में इस संशोधन को चुनौती भी दी है तथा शीर्ष अदालत ने 15 सितंबर, 2025 को वक्फ संशोधन अधिनियम के चुनिंदा प्रावधानों पर रोक लगाते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया है।

केंद्र के अनुसार, एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (यूएमईईडी) संशोधन अधिनियम, 2025 का उद्देश्य संपत्ति प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाकर शासन में सुधार करना है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य वक्फ बोर्ड और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करना तथा हितधारकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

तमिलनाडु के लोग तथाकथित रणनीति के घृणित तमाशे से तंग आ चुके हैं : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनतापार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने विज्ञप्ति में बताया कि लोकतंत्र ऐसे नेताओं की माँग करता है जो कल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रगति के लिए दूरदर्शी योजनाओं और लोगों के लिए भोजन, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने वाली नीतियों का समर्थन करें। लेकिन तमिलनाडु में, द्रमुक ने राजनीति को भ्रष्टाचार के दलदल में बदल दिया है, जहाँ लुटेरे और लूटेरे फलते-फूलते हैं। उनका खेल साफ़ है: विज्ञापन-आधारित प्रचार, लॉटरी-शैली के हथकंडे, मुफ़्तखोरी, प्रतिद्वंद्वी नेताओं को लुभाना और अवसरवादी गठबंधन बनाना-और ये सब जनता के कल्याण और राष्ट्र के विकास को कुचलते हुए। यही आज तमिलनाडु की चुनावी राजनीति की शर्मनाक सच्चाई है।

उन्होंने कहा कि अपने भ्रष्ट साम्राज्य के लिए कुख्यात डीएमके, तमिलनाडु को एक बार फिर अंधाधुंध लूटने के लिए इस घृणित, विज्ञापन-प्रधान राजनीतिक मशीन में हज़ारों करोड़ रुपये बहा रही है। लेकिन जनता अंधी नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ओजस्वी नेतृत्व में, अदम्य अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी पलानीस्वामी के नेतृत्व में और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैना नागेंद्रन के सहज समन्वय में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) एक अजेय शक्ति के रूप में उभर रहा है। यह गठबंधन सिर्फ़ एक राजनीतिक गठबंधन नहीं है-यह द्रमुक

राज्य में जनकेन्द्रित राजनीति को मिलेगा स्थान

के भ्रष्ट शासन को उखाड़ फेंकने और जन-केंद्रित शासन को बहाल करने का एक आंदोलन है। एनडीए तमिलनाडु में भारी जनसमर्थन के साथ जीत हासिल कर रहा है और द्रमुक को करारा झटका देने के लिए तैयार है।

एडप्पादी पलानीस्वामी जहाँ भी प्रचार करते हैं, उन्हें जनता के समर्थन की सुनामी का सामना करना पड़ता है, जो समाज के हर वर्ग को एकजुट करके द्रमुक के भ्रष्ट शासन का सफाया करने के लिए प्रेरित करता है। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैना नागेंद्रन भी एक अथक चुनाव अभियान चलाने की तैयारी कर रही हैं जो द्रमुक की नाकामियों को और उजागर करेगा।

एनडीए की बढ़ती ताकत से घबराई द्रमुक ने अपनी पुरानी चालें चलते हुए अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को अपने भ्रष्ट जाल में फँसा लिया है। द्रमुक जानती है कि वह एनडीए के रथ का सामना नहीं कर सकती, इसलिए उसने द्रमुक विरोधी लहर को कमज़ोर करने के लिए विजय को अपनी छद्म वैज्ञानिक, भ्रष्ट राजनीति के दलदल में घसीट लिया है।

उन्होंने कहा कि विक्रवंडी की अपनी पहली जनसभा से लेकर हाल ही में त्रिची की रैली तक, और मदुरै से लेकर आज के नमक्कल के तमाशे तक, विजय का तथाकथित राजनीतिक अभियान एक भड़कीला, परदे से प्रेरित तमाशा है, जिसे उनके लॉटरी किंग सहयोगियों और द्रमुक की लूटी हुई दौलत से वित्तपोषित किया जा रहा है। अज्ञानता, भ्रम और भाजपा व केंद्र सरकार पर बचकाने हमलों से भरे उनके भाषणों से पता चलता है कि वे डीएमके के हथकंडों के इशारे पर चलने वाली एक कठपुतली मात्र हैं। तमिलनाडु की जनता इस दिखावे को समझती है। अपने प्रशंसकों को राजनीतिक पूंजी में बदलने की विजय की कोशिश बुरी तरह से नाकाम हो रही है, क्योंकि उनके कार्यों से द्रमु क के धोखेबाज़ एजेंडे के साथ उनकी गहरी उलझाव उजागर हो रहा है। तमिलनाडु की जनता विजय से यह छल-कपट छोड़कर सच्ची, जन-केंद्रित राजनीति अपनाने की माँग करती है। लेकिन डीएमके की नापाक रणनीति साफ़ है: वह विजय को एक नकली विरोधी के रूप में पेश करके डीएमके-विरोधी वोटों को एनडीए से अलग करना चाहती है। यह 2026 के चुनावों में एनडीए की अपरिहार्य, शानदार जीत को रोकने की एक सोची-समझी चाल है। वर्ष 2026 में, तमिलनाडु की जनता डीएमके को करारी शिकस्त देगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवर्तनकारी शासन और दिवंगत मुख्यमंत्रियों एमजीआर और पुरैची थलाइवी जयललिता की जन-केंद्रित विरासत के स्वर्णिम युग का सूत्रपात करेगी। एनडीए तमिलनाडु के गौरव और समृद्धि को पुनर्स्थापित करते हुए सत्ता में आएगा।

करूर मामले के बाद तमिलनाडु में गर्भपात की गोलियों की अवैध बिक्री पर कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करूर जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में अपूर्ण गर्भपात का मामला सामने आने के बाद, राज्य औषधि नियंत्रण अधिकारियों ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एमटीपी) किट के अवैध व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एक महिला को मेडिकल सिस्टम के बाहर से खरीदी गई एमटीपी गोलियां लेने के बाद अनियंत्रित गर्भपात की वजह से जटिलताएं हुईं, जिसके कारण उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया। इसी घटना के बाद यह अलर्ट मिला। नमक्कल जिले में औषधि निरीक्षकों की जांच में हजारों एमटीपी किट की अवैध खरीद-फरोख्त का पता चला। जांच के अनुसार, 6,700 से अधिक एमटीपी किट, जिनमें मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल दवाएं थीं, एक दूसरे राज्य के निर्माता से थोक में खरीदी गईं और बिना डॉक्टर की निगरानी के बांटी गईं। कथित तौर पर, आपूर्तिकर्ता के पास जरूरी लाइसेंस नहीं था, लेकिन उसने कई महीनों तक किसी और के थोक लाइसेंस का इस्तेमाल करके ये दवाएं खरीदीं। बाद में ये दवाएं तमिलनाडु के थेनी और सलेम जिलों समेत कई इलाकों में बेची गईं। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि जानलेवा समस्याओं से बचने के लिए एमटीपी किट की बिक्री और इस्तेमाल पर सख्त नियंत्रण होना चाहिए। यह सिर्फ योग्य डॉक्टरों द्वारा लिखी जानी चाहिए और मरीजों की सुरक्षा के लिए केवल अनुमोदित स्वास्थ्य केंद्रों में ही दी जानी चाहिए। ऐसी दवाओं के बिना नियंत्रण उपयोग से गंभीर रक्तस्राव, अपूर्ण गर्भपात, संक्रमण और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

राज्य के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने अनधिकृत व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारी खरीदारों के नेटवर्क और अनियमित गर्भपात केंद्रों से जुड़े संभावित संबंधों की जांच भी कर रहे हैं। यह पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है कि यह धंधा कब से चल रहा था और ये दवाएं अंतिम उपयोगकर्ताओं तक कैसे पहुंचीं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से फिर से कहा है कि वे मेडिकल दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर कड़ा नियंत्रण करें। उन्होंने चेतावनी दी कि तमिलनाडु के बाहर के आपूर्तिकर्ताओं से गर्भपात की गोलियों की आसान ऑनलाइन उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसलिए, अवैध बाजार को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

बुजुर्ग महिला ने दलित छात्रों को सार्वजनिक मार्ग का इस्तेमाल करने से रोका, मामला दर्ज

तंजावुर। तमिलनाडु के तंजावुर में दलित समुदाय के छात्रों को एक सार्वजनिक मार्ग का इस्तेमाल करने से कथित तौर पर रोके जाने के बाद इलाके की एक महिला और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा है।

इस वीडियो में स्कूल की वर्दी पहने और बैग थामे कुछ छात्र शुक्रवार सुबह तंजावुर तालुक के कोल्लंगराई गांव की एक गली से गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में एक बुजुर्ग महिला उन्हें छड़ी के दम पर रोकते और चिल्लाकर यह कहते हुए नजर आ रही है कि वे गली का इस्तेमाल न करें। तंजावुर तालुक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। महिला और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच जारी है।

बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि महिला के परिवार के सदस्य उन्हें गली में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, जिसे 'वंडी पथाई' या 'वाहन मार्ग' माना जाता है। इससे पहले, ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए एक जलाशय के किनारे से गुजरने वाला डेढ़ किलोमीटर लंबा रास्ता तय करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

एनआईए अदालत ने वर्ष 2019 के कोयंबटूर आईएसआईएस मामले में दो लोगों को दोषी पाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की अदालत ने शनिवार को कोयंबटूर के दो निवासियों को इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) की विचारधारा के प्रचार और इस आतंकी संगठन के लिए लोगों की भर्ती करने का दोषी पाया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एनआईए मामलों की सुनवाई के लिए कोच्चि स्थित विशेष अदालत ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में उक्कदम स्थित अंबू नगर निवासी मुहम्मद अजहरुद्दीन (27) और दक्षिण उक्कदम निवासी शेख हिदायतुल्ला उर्फ फिरोज खान (35) को दोषी ठहराया। न्यायाधीश एन शेषाद्रिनाथन ने कहा कि दोनों भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी (षड्यंत्र), गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 38 (आतंकवादी संगठन की सदस्यता) और 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दंडनीय अपराध का दोषी ठहराया गया। सजा पर सुनवाई के दौरान, दोनों आरोपियों ने अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए अदालत से नरम रुख अपनाने का अनुरोध किया।

अदालत ने आदेश दिया, ''हिदायतुल्ला को दो दिनों के लिए वियूर स्थित उच्च सुरक्षा जेल को रिमांड पर सौंपा जाता है। सजा सुनाए जाने के दिन आरोपियों को 29 सितंबर को प्रत्यक्ष रूप से पेश किया जाएगा।''

मुकदमे के दौरान, अदालत ने 40 गवाहों से पूछताछ की। अजहरुद्दीन कोयंबटूर में हुए एक विस्फोट से संबंधित एक अन्य मामले में भी आरोपी है। हालांकि, प्राथमिकी में छह लोगों को आरोपी बनाया गया था, लेकिन एनआईए ने 2019 में केवल दो आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया।

यह मामला 2019 में तब दर्ज किया गया था जब एनआईए को सूचना मिली थी कि अजहरुद्दीन और उसके सहयोगी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य दक्षिण भारत खासकर केरल और तमिलनाडु में आतंकवादी हमले करने के लिए युवाओं की भर्ती करना था।

वरिष्ठ शिशु रोग चिकित्सक, नंबूदरीपाद की पुत्री डॉ मालती दामोदरन का निधन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के पहले मुख्यमंत्री ईएमएस नंबूदरीपाद की पुत्री और वरिष्ठ शिशु रोग चिकित्सक डॉ मालती दामोदरन का आयु संबंधी रोगों के कारण शनिवार को यहां 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मालती का निधन सुबह सस्थामंगलम में उसके निवास स्थान पर हुआ। मालती शहर में प्रतिष्ठित शिशु चिकित्सक थीं। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मालती के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मालती को ऐसी पुत्री बताया जिन्होंने अपने पिता के आदर्शों पर जीवन जिया। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में स्वास्थ्य क्षेत्र में मालती के योगदान को याद किया और कहा कि उन्होंने एक लोकप्रिय शिशु चिकित्सक के रूप में अपनी पहचान बनायी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सादगी उनकी पहचान थी और उनके पास एक वैज्ञानिक सामाजिक दृष्टिकोण था।'' विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया तथा उनकी सादगी और सामाजिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को याद किया।

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लेह में गिरफ्तार, राजस्थान की जोधपुर जेल भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/जोधपुर। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर केंद्र शासित प्रदेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के दो दिन बाद शुक्रवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख पुलिस प्रमुख एस डी सिंह जामवाल के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने वांगचुक को दोपहर ढाई बजे हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें अब राजस्थान के जोधपुर कारागार में स्थानांतरित कर दिया गया है।

हालांकि, वांगचुक पर लगाये गए आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन लद्दाख प्रशासन के सूत्रों ने संकेत दिया है कि जलवायु कार्यकर्ता के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया गया है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लेह क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी हैं। 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) और 'कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस' (केडीए) की ओर से मुखर रूप से बोलने वाले वांगचुक, (लद्दाख को) राज्य का दर्जा तथा लेह और कारगिल के निवासियों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों के वास्ते पांच साल से चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

लेह और कारगिल, 2019 में पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विभाजित कर बनाये गए लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश का हिस्सा हैं। केंद्र ने हालिया हिंसा के लिए वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है, हालांकि जलवायु कार्यकर्ता ने सभी आरोपों से इनकार किया है। वांगचुक ने बृहस्पतिवार को कहा था, यह कहना कि यह (हिंसा) मेरे द्वारा भड़कायी गयी थी, समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय, कोई बलि का बकरा ढूंढने जैसा है, और इससे हमें कोई फायदा नहीं होगा।

जलवायु कार्यकर्ता की गिरफ्तारी उनके द्वारा स्थापित संगठन 'स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख' का विदेशी चंदा नियमन अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस गृह मंत्रालय द्वारा रद्द करने के एक दिन बाद हुई। मंत्रालय ने कथित वित्तीय विसंगतियों और राष्ट्रीय हित के खिलाफ माने जाने वाले धन अंतरण का हवाला देते हुए वांगचुक के संगठन का एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया था।

आसाराम जिस बैरक में थे, उसी में रखा गया सोनम वांगचुक को, डॉक्टर कर रहे हर घंटे स्वास्थ्य जांच

जोधपर। लेह लद्धाख में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के आरोप में गिरफ्तार सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जोधपुर की सेंट्रल जेल में बैरक नंबर दो में रखा गया है। यह वही बैरक है, जिसमें दुष्कर्म के आरोपी। आसाराम को रखा गया था। आसाराम इस वक्त अंतरिम जमानत पर बाहर हैं।

चिप से लेकर शिप तक के निर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाना हमारा संकल्प : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी नेटवर्क सेवाओं के माध्यम से देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ एक बड़ा कदम उठाया है। भारत की कंपनियों ने देश को दुनिया के उन पांच देशों की सूची में ला खड़ा किया है जिनके पास 4जी सेवाएं शुरू करने की पूरी तरह स्वदेशी टेक्नोलॉजी है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि चिप से लेकर शिप तक हर चीज के निर्माण में भारत आत्मनिर्भर हो और हर देशवासी की भी यही मनोकामना है। मोदी शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से बीएसएनएल की 4जी नेटवर्क सेवा के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर बीएसएनएल के 92 हजार 600 से अधिक 4जी नेटवर्क टावरों सहित लगभग 97 हजार 500 टावर्स का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जो भी देश आर्थिक रूप से सशक्त होना चाहता है वो बड़े-बड़े जहाज निर्माण पर बहुत बल देता है। व्यापार, टेक्नोलॉजी तथा देश की सुरक्षा में शिप बिल्डिंग से फायदा होता है। इसलिए हमारी सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए शिप बिल्डिंग के लिए 70 हजार करोड रुपए का पैकेज मंजूर किया है जिससे भारत में 4.50 लाख करोड रुपए का निवेश आएगा। यह पैसा स्टील, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े अन्य छोटे लघु कुटीर उद्योगों तक पहुंचेगा और लाखों रोजगार का सृजन होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब टेलीकॉम की दुनिया में 2जी, 3जी, 4जी जैसी सेवाएं शुरू हुईं तो उनमें भारत बहुत पीछे रह गया था। इन तकनीकों के लिए भारत विदेशों पर ही निर्भर रहा, ऐसी स्थिति देश के लिए ठीक नहीं थी। इसलिए हमने संकल्प लिया कि टेलीकॉम सेक्टर की यह जरूरी टेक्नोलॉजी देश में ही विकसित हो। मोदी ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि बीएसएनएल ने अपने ही देश में पूरी तरह स्वदेशी 4जी टेक्नोलॉजी विकसित कर ली है। अपनी मेहनत और कुशलता से बीएसएनएल ने नया इतिहास रच दिया है।

मोदी ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि बीएसएनएल अपनी स्थापना का 25वां वर्ष मना रहा है। बीएसएनएल और उसके सहयोगियों की मेहनत से आज भारत ग्लोबल टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ये टॉवर देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की नई क्रांति लाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 4जी तकनीक के विस्तार से देशभर में 2 करोड़ से ज्यादा लोगों को सीधा लाभ मिलेगा तथा हाईस्पीड इंटरनेट सुविधा से वंचित करीब 30 हजार गांवों तक यह सुविधा मिलेगी। मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक दिन का साक्षी बनने के लिए इन गांवों के लोग भी हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा से हमें देख और सुन पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी सेवाओं का सबसे अधिक फायदा आदिवासी क्षेत्रों के साथ ही दूर-दराज के गांवों का होगा। अब वहां के लोगों को भी बेहतरीन डिजिटल सेवाएं मिल पाएगी। इससे बच्चों को ऑनलाइन क्लास लेने में, सुदूर क्षेत्र के किसानों को अपनी फसल का मूल्य जानने में तथा मरीजों को टेलीमेडिसिन के जरिए चिकित्सकों से सलाह लेने में सुविधा होगी। इसके साथ ही, सीमावर्ती तथा दुर्गम क्षेत्रों में तैनात हमारे जवानों को भी इसका बड़ा लाभ मिलेगा, वे सुरक्षित कनेक्टिविटी के साथ आपस में बात कर पाएंगे। मोदी ने कहा कि बीएसएनएल के आज शुरू हुए टॉवर आसानी से 5जी सेवाओं के लिए भी अपग्रेड हो सकेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से वर्चुअली जुड़े। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के 25 साल पूरे होने पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत में बीएसएनएल के 92 हजार 633 4जी टावरों का उद्घाटन किया गया है। इसमें से 5 हजार 655 टावर राजस्थान में स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक संख्या नहीं है। यह नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर भारत के बढ़ते कदम है। यह गर्व की बात है कि बीएसएनएल का पूरा 4जी स्टैक स्वदेशी है जिसे हमारे देश के संस्थानों और कंपनियों ने विकसित किया है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने पूरी तरह से स्वदेशी 4जी तकनीक विकसित कर ली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में तत्कालीन केन्द्र सरकार ने भारत के स्वदेशी टेलीकॉम को आधुनिक बनाया। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम क्षेत्र को सर्वजनहिताय सर्वजनसुखाय बनाने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड की स्थापना की गई। शर्मा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद हमारे देश में दूरसंचार में क्रांति आई, टेलीकॉम में तेजी आई और इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने दूरसंचार को राष्ट्र निर्माण, किसानों के सम्मान, महिलाओं के कल्याण और भारत के निर्माण का माध्यम बनाया। बीएसएनएल-एमटीएनएल रिवाइवल पैकेज के तहत हजारों करोड़ की मदद मिली तथा स्वदेशी तकनीक पर जोर दिया गया।

बाड़मेर में पूर्व विधायक जैन की कांग्रेस में वापसी के विरोध में लगे पोस्टर, शिकायत दर्ज

जयपुर। राजस्थान में बाड़मेर और उसके आसपास के इलाकों में पूर्व विधायक मेवाराम जैन की कांग्रेस में वापसी का विरोध करने वाले पोस्टर नजर आए। हालांकि अधिकारियों ने उन्हें हटा दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रदेश कांग्रेस ने जनवरी में, जैन और आठ अन्य के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज होने के कुछ दिन बाद उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। बाड़मेर से तीन बार विधायक रहे जैन के स्वागत समारोह से पहले बायतु और बालोतरा में कई जगहों पर जैन की 'छेड़छाड़ वाली' तस्वीरें और 'बाड़मेर हुआ शर्मसार', 'महिलाओं का अपमान, नहीं सहेगी बाड़मेर की कांग्रेस', 'बलात्कारी हमें स्वीकार नहीं' जैसे नारे लिखे पोस्टर सामने आए।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जैन ने बाड़मेर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कर पोस्टर लगाने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पूर्व विधायक का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील सुल्तान सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर जैन की छवि खराब करने के लिए छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और नारे लगाए हैं। सिंह ने कहा,कांग्रेस समिति के नाम का भी दुरुपयोग किया गया है। हमें इस कृत्य के पीछे जैन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की भूमिका होने का संदेह है।

उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी की मदद से इसमें शामिल लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इस हफ्ते की शुरुआत में कुछ कांग्रेसी नेताओं ने जैन को पार्टी में दोबारा शामिल करने का विरोध किया था और दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात भी की थी। हालांकि, उनके विरोध के बावजूद जैन को औपचारिक रूप से कांग्रेस में वापस ले लिया गया।

उदयपुर में अशोक गहलोत ने बीजेपी पर बोला हमला, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी, बढ़ती हिंसा को लेकर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने उदयपुर में शनिवार को मीडिया से बातचीत में देशभर में बढ़ते हिंसा के माहौल, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और कान्हैयालाल साहू हत्या की जांच में हो रही देरी को लेकर बीजेपी सरकारों पर जमकर हमला बोला। जेल की सीसीटीवी मॉनिटरिंग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, जेल के अंदर अगर व्यवस्था नहीं है, तो अपराधी मोबाइल फोन के जरिए अंदर से ही गैंगस्टरिंग कर सकते हैं। ऐसी खबरें गृह मंत्रालय तक पहुंचती रहती हैं। देश की सीमाओं और संवेदनशील इलाकों में शांति, भाईचारा और प्यार का माहौल बनाए रखना आवश्यक है।

मेवाराम जैन को कांग्रेस में पुनः शामिल करने के सवाल पर गहलोत ने कहा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति की सिफारिशों और सभी की राय के बाद यह निर्णय लिया गया। यह सोच-समझकर लिया गया फैसला है।। कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, देश को कांग्रेस की विचारधारा की जरूरत है। कांग्रेस सभी धर्मों, जातियों और वर्गों को साथ लेकर चलती है। देशहित में कांग्रेस तभी मजबूत होगी जब कार्यकर्ता, नेता और संगठन एकजुट हों। मतभेद भूलकर एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लें। गहलोत ने कहा, मणिपुर में पिछले ढाई साल से हालात चिंताजनक हैं, लेकिन केंद्र सरकार समय रहते हस्तक्षेप नहीं कर रही।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद भी हिंसा जारी रही। लंबे समय से अपनी मांगें उठाने वाले एक्टिविस्ट जिनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें जेल भेजा गया, वे आतंकवादी नहीं हैं। फिर उन्हें जोधपुर जेल क्यों भेजा गया, यह समझ से बाहर है। यह सरकार का मिसहैंडलिंग है।

ट्रेडिंग इनवेस्टमेंट फंड के नाम पर 1.82 करोड़ रुपए की ठगी का पर्दाफाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस ने ट्रेडिंग इनवेस्टमेंट फंड के नाम पर 1.82 करोड़ रुपए की ठगी का पर्दाफाश करते हुए झालावाड़ से एक साइबर एजेंट को पकड़ा है। उसके पास से 136 फर्जी सिम बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। झालावाड़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 'स्टेट साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेंटर' चेन्नई की टीम ने झालावाड़ पुलिस के सहयोग से एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो साइबर अपराधियों को धोखाधड़ी का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराता था।

उन्होंने बताया कि चेन्नई में दर्ज एक करोड़ 82 लाख 97 हजार के निवेश कारोबार से संबंधित धोखाधड़ी के मामले की जांच के दौरान झालावाड़ निवासी मोहित गोचर (33) की संलिप्तता सामने आई। गुप्त सूचना मिलने के बाद उसे पकड़ लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी मोहित देश भर में सक्रिय साइबर सिंडिकेट के लिए एक एजेंट के रूप में काम करता था। पूछताछ में पता चला कि वह बड़े पैमाने पर लोगों के आधार और पैन कार्ड जैसे पहचान दस्तावेज एकत्र करता, उनका उपयोग करके बैंक खाते खोलता था और फर्जी सिम कार्ड प्राप्त करता था। बाद में यह पूरा ढांचा ऑनलाइन धोखाधड़ी और अवैध धन हस्तांतरण के लिए साइबर अपराधियों को बेचा जाता था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से 136 फर्जी सिम कार्ड, सात चेक बुक, दो बैंक पासबुक, आठ डेबिट कार्ड बरामद हुए। उसके बैंक खाते में बड़ी मात्रा में ठगी की राशि आने के बाद यह कड़ी झालावाड़ तक पहुंची। चेन्नई की टीम आरोपी को 'ट्रांजिट रिमांड' पर लेकर आगे जांच के लिए रवाना हो गई है, ताकि इस साइबर अपराध के व्यापक नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

प्रदेशवासियों को स्वदेशी 4जी नेटवर्क के माध्यम से मिल रहा संचार सुविधाओं का लाभ : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी नेटवर्क सेवा के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम में 4जी सेवा के लाभार्थियों से आत्मीयतापूर्वक संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान की हजारों साइट्स पर अब बीएसएनएल की 4जी सेवा उपलब्ध है। इससे प्रदेशवासियों को स्वदेशी रूप से विकसित नेटवर्क पर शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार तथा अन्य क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न सुविधाओं का लाभ सुचारू रूप से मिल रहा है। विभिन्न जिलों से वर्चुअली जुड़े तथा कार्यक्रम में मौजूद सभी लाभार्थियों ने 4जी सेवा के प्रारंभ होने से उनके जीवन में आए बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया और अपने अनुभव साझा किए।

अलवर के हरिपुरा गांव के तुलसीदास ने बताया कि उनका गांव वर्षों तक संचार सुविधा से वंचित था। गांव में 4जी नेटवर्क आने से बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

ब्यावर के नाईकलां ग्रामवासी सोहनसिंह ने बताया कि हमें मोबाइल पर बातचीत करने के लिए पहाड़ियों पर चढ़ना पड़ता था। 4जी सेवा की शुरूआत होने से हमारी ग्राम पंचायत में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का निर्बाध रूप से लाभ मिल पा रहा है।

जैसलमेर की अभयवाला चौकी से जुड़े बीएसएफ के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि भारत-पाकिस्तान सीमा से लगभग 200 मीटर दूर पर ही अब 4जी सेवा की पहुंच होने से सीमा पर चौकसी और सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो गई है। वहीं, जयपुर जिले के रामेश्वर लाल गुर्जर ने बताया कि पूर्व में हमें मोबाइल नेटवर्क के लिए घर की छत पर जाना पड़ता था। अब घर के भीतर ही आसानी से इंटरनेट व अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

समाजसेवी मधू किन्नर हत्या मामला, सीमा किन्नर गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़। पुलिस थाना नीमराना ने समाजसेवी मधू किन्नर की ब्लाइंड मर्डर की गंभीर वारदात में सरगना सीमा किन्नर को गिरफ्तार कर मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। सीमा किन्नर पर पहले 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़, देवेन्द्र कुमार विश्नोई के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना शालिनी राज एवं सचिन शर्मा की निगरानी में राजेश कुमार, थानाधिकारी नीमराना के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। लगातार सूचना-संकलन और छानबीन के बाद आरोपी सीमा किन्नर (सी/ओ रेखा, उम्र 55, निवासी वार्ड नं. 55, सुरज सिनेमा के पास, भिवाड़ी, थाना फूलबाग, खैरथल-तिजारा) को गिरफ्तार कर लिया गया।

घटना के मुताबिक दिनांक 10-09-2025 को मधू किन्नर अपने सहयोगियों के साथ रीको एरिया नीमराना की कंपनियों में दीपावली की बधाई लेने गई थीं। इसी दौरान एक नकाबपोश अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आया और मधू किन्नर पर गोली चला दी। इस मामले में मुकदमा नं. 459/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। टीम ने बावल, रेवाड़ी, भिवाड़ी, टपूकड़ा और दिल्ली के क्षेत्रों में आरोपी की तलाश की। दिनांक 26-09-2025 को सीमा किन्नर को गिरफ्तार कर मुकदमा नं. 459/25 धारा 103(1), 61(2) बीएनएस में शामिल किया गया। गहनता से अनुसंधान जारी है। नरेश उर्फ सोनिया उर्फ जरिना, उम्र 38 साल, निवासी गाजियाबाद (पूर्व में गिरफ्तार), सीमा किन्नर, उम्र 55 साल, निवासी भिवाड़ी (वर्तमान में गिरफ्तार), वांछित आरोपी-पवन कुमार, उम्र 40 साल, निवासी शिव कॉलोनी बेरी रोड, झज्जर, हरियाणा, मोहम्मद जावेद, उम्र 38 साल, निवासी नानकगड़ी, मसूरी, गाजियाबाद, यूपी। पुलिस टीम ने मामले में तीव्रता से कार्रवाई करते हुए अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने का संदेश दिया है।

पूर्व मंत्री नंदलाल मीणा का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रतापगढ़। राजस्थान और भील समुदाय के लिए एक युग का अंत हो गया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व जनजातीय कैबिनेट मंत्री नंदलाल मीणा का लंबी बीमारी के बाद 80 साल की उम्र में निधन हो गया। अहमदाबाद के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके बेटे हेमंत मीणा वर्तमान में राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

राजनीतिक सफर की शुरुआत 1972 में लसाड़िया विधानसभा से पहले चुनाव लड़कर हुई, हालांकि वह जीत नहीं सके। लेकिन 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर उदयपुर ग्रामीण सीट से विधायक बनकर उन्होंने अपनी पहचान बनाई। उनके चुनाव प्रचार में तब के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर भी प्रतापगढ़ आए। 1980 में, जब भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ, नंदलाल मीणा मुंबई अधिवेशन में उपस्थित रहे और पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल होकर आदिवासी बहुल इलाकों में बीजेपी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। वे कुल सात बार विधायक, एक बार सांसद और तीन बार राजस्थान सरकार में मंत्री रहे। वसुंधरा राजे के दोनों कार्यकाल में उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला। मंत्री रहते हुए उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में हॉस्टल, एनीकट, सिंचाई योजनाएं और सड़क निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष रूप से नंदलाल मीणा 2016 में भील प्रदेश की मांग के समर्थन में आगे आए। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे के लिए उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़े तो वे तैयार हैं। यह उनका आदिवासी अधिकारों और क्षेत्रीय विकास के प्रति समर्पण दर्शाता है।

विद्यार्थी लक्ष्य को ध्यान में रखकर मेहनत करें और आगे बढ़ें

जयपुर। राज्यपाल ने भारजा में दिल्ली पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर मेहनत करने की बात कही एवं अनुशासित जीवन चर्या से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों को जीवन में अनुशासन रखने, खाना जूठा ना छोड़ने सदैव सत्य बोलने और आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही। उन्होंने बच्चों को उत्तम दिनचर्या और सद्गुणों के माध्यम से एक आदर्श व्यक्ति बनने की प्रेरणा दी। इस दौरान राज्यपाल ने विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न वाद्य यंत्रों पर दी गई सुरीली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं नृत्य प्रस्तुति पर उनकी सराहना करते हुए उत्साह वर्धन किया एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल बागड़े ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया और सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ओडिशा तेजी से प्रगति कर रहा : मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झारसुगुड़ा/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में झारसुगुड़ा में 'नमो युवा समावेश' में उद्घाटन भाषण देते हुए माझी ने कहा, ओडिशा के विकास पर आपका ध्यान हमेशा अटल रहा है। ओडिशा आपके 'पूर्वोदय' यानी पूर्वी भारत के उत्थान के दृष्टिकोण के केंद्र में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2024 में ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से प्रधानमंत्री सात बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने पिछले साल 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर राज्य का दौरा किया था और महिलाओं के लिए 'सुभद्रा योजना' की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत अब एक करोड़ से ज्यादा महिलाओं को सालाना 10,000 रुपए की सहायता मिल रही है। माझी ने कहा, मोदी जब भी ओडिशा आते हैं, राज्य के लोगों के लिए ढेरों तोहफे लेकर आते हैं। इस बार वह त्योहारों के मौसम में आए हैं, नवरात्र के दौरान। उन्होंने कहा, आज कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, जिनमें ब्रह्मपुर से सूरत तक नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन, एक विश्व स्तरीय कौशल विकास परियोजना, एक नया सेमीकंडक्टर पार्क, गंजम जिले में एक बंदरगाह-आधारित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) और वंचित लोगों के लिए 50,000 अंत्योदय आवासों के वास्ते स्वीकृति आदेश जारी करना शामिल है। ये पहल ओडिशा की प्रगति की नींव को और मजबूत करेंगी। माझी ने कहा कि ओडिशा के लोग जीएसटी बचत उत्सव में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा, आज, आपके (प्रधानमंत्री मोदी) सुधारों की बदौलत सबसे गरीब से लेकर सबसे अमीर तक, हर कोई पैसा बचा रहा है। ओडिशा के लोगों की तरफ से, मैं इसके लिए आपका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। माझी ने कहा, आठ साल पहले, 22 सितंबर को प्रधानमंत्री ने झारसुगुड़ा में वीर सुरेंद्र साईं हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। आज, इस हवाई अड्डे ने राज्य, खास तौर पर पश्चिमी ओडिशा की विकास यात्रा को महत्वपूर्ण गति प्रदान की है। 'ऑपरेशन सिंदूर' और ऐसी अन्य निर्णायक सैन्य कार्रवाइयों की तारीफ करते हुए माझी ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खींची गई 'लक्ष्मण रेखा' ने युवाओं के दिलों में नया उत्साह जगाया है। उन्होंने कहा, आपके 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' दृष्टिकोण से प्रेरित होकर हम किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी पर गर्व है : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू होने पर कहा कि भारत को दिल्ली में इस प्रतियोगिता की मेजबानी पर गर्व है।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत और शुभकामनाएं। यह टूर्नामेंट मानवीय दृढ़ संकल्प और जज्बे का उत्सव है। यह टूर्नामेंट दुनिया भर में एक अधिक समावेशी और जीवंत खेल संस्कृति को प्रेरित करे।''

दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ पैरा एथलीट अब तक की सबसे बड़ी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान खेल के मैदान पर अपने जज्बे और सहनशीलता का प्रदर्शन करेंगे जो पांच अक्टूबर तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चलेगा।

'वोट रेवड़ी' बांटने में लगे हैं प्रधानमंत्री, बिहार के नतीजे आने पर अतीत बन जाएंगे : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बिहार में 'वोट रेवड़ी' बांटने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे आने पर वह भी नीतीश कुमार की तरह अतीत बन जाएंगे। बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' कर्नाटक सरकार पिछले दो वर्षों से गृहलक्ष्मी योजना के तहत 1.3 करोड़ महिलाओं को 2,000 रुपए प्रति माह दे रही है। प्रधानमंत्री लगातार इसकी आलोचना करते रहे।'' उन्होंने कहा, '' और अब कल ही प्रधानमंत्री ने बिहार की महिलाओं के लिए एक ओटीपी (वन टाइम पेमेंट) की घोषणा की है वो भी आचार संहिता लागू होने से ठीक कुछ दिन पहले।'' रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वोट चोरी के साथ-साथ अब ''वोट रेवड़ी'' बांटने में लगे हैं। उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट रूप से हताशा भरा कदम है, जिसे बिहार की महिलाएं भलीभांति समझ जाएंगी। रमेश ने दावा किया, बिहार सरकार की उल्टी गिनती पहले ही शुरू हो चुकी है। नीतीश कुमार अब अतीत बन चुके हैं और जब नतीजे आएंगे तो प्रधानमंत्री मोदी भी अतीत बन जाएंगे।''

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बिहार के लिए 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की। इस अवसर पर 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 10-10 हजार रुपए की पहली किस्त भेजी गई।

आरएसएस की प्रार्थना मातृभूमि के प्रति समर्पण का सामूहिक संकल्प है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' भारत माता की प्रार्थना और देश एवं ईश्वर के प्रति संघ के स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि जहां व्यक्तिगत संकल्प प्रत्येक स्वयंसेवक के दृष्टिकोण तक सीमित रहते हैं, वहीं साझा मिशन और मूल्य संघ की प्रार्थना से उत्पन्न होते हैं, जिसका प्रतिदिन पाठ किया जाता है।

भागवत ने नागपुर के रेशमबाग महर्षि व्यास सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान संघ की प्रार्थना का ऑडियो जारी किया, जिसे गायक शंकर महादेवन ने आवाज दी है। कार्यक्रम में अभिनेता सचिन खेडेकर, वरिष्ठ प्रस्तोता हरीश भिमानी और संगीतकार राहुल रानाडे भी उपस्थित थे। नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा, यह भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण को अभिव्यक्ति है। यह प्रार्थना है कि हम देश को क्या देश सकते हैं और फिर ईश्वर से प्रार्थना है कि देश सेवा में हमारी सहायता करे। उन्होंने कहा कि ऑडियो जारी होने के साथ ही यह प्रार्थना ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि प्रार्थना एक भावना है जो स्वयंसेवकों को मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण के सामूहिक संकल्प में मदद करती है।

यह गीत लंदन के एक स्टूडियो में रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के साथ रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें सभी संगीतकार विदेशी थे। महादेवन ने इस संगीतमय प्रस्तुति में अपनी आवाज दी है जबकि मराठी में खेडेकर ने और हिंदी में भिमानी ने वर्णन किया।

आठ अलग-अलग भाषाओं में स्वर दिए गए।

संघ की मूल प्रार्थना के रचनाकार नरहरि नारायण भिड़े थे और पहली बार यादव राव जोशी ने 23 अप्रैल, 1940 को पुणे में संघ शिक्षा वर्ग में इसे गाया था। प्रार्थना का प्रारंभिक प्रारूप 1939 में पुणे में एक बैठक के दौरान तैयार किया गया था।

भागवत ने कहा, संघ प्रार्थना भारत माता की प्रार्थना है। 1940 से स्वयंसेवक प्रतिदिन इसका पाठ करते हैं। यह प्रार्थना संघ का सामूहिक संकल्प है। प्रार्थना की भावना संकल्प की शक्ति है, और यह मातृभूमि के प्रति भक्ति, प्रेम व समर्पण का प्रतीक है।

राहुल और लालू घुसपैठियों को मतदान का अधिकार दिलाना चाहते हैं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/अररिया/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर ''घुसपैठियों को मतदान का अधिकार दिलाने'' की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बिहार की प्रगति और जंगल राज रोकने के लिए है।

अररिया जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की दो-तिहाई बहुमत से वापसी होने पर ''एक-एक घुसपैठिये को बिहार से बाहर निकाल दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने हाल में यहां एक यात्रा निकाली। इसका उद्देश्य था निर्वाचन आयोग की विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया का विरोध करना। आयोग मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाना चाहता है।'' शाह का इशारा ''वोटर अधिकार यात्रा'' की ओर था, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी और प्रसाद के पुत्र और उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी समझे जाने तेजस्वी यादव ने 25 जिलों में 1,300 किलोमीटर की यात्रा की थी। गृह मंत्री ने कहा, ''राहुल गांधी, लालू और उनकी मंडली घुसपैठियों को मतदान का अधिकार दिलाना चाहते हैं। मैं सीमांचल के सभी कार्यकर्ताओं से पूछता हूं, क्या हमें ऐसा होने देना चाहिए?'' इस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'नहीं' के नारों से जवाब दिया। शाह ने आश्वासन दिया, ''राजग यदि दो-तिहाई बहुमत यानी 160 से अधिक सीट के साथ जीत दर्ज करता है तो एक-एक घुसपैठिये को बिहार से बाहर निकाल दिया जाएगा।'' निर्वाचन आयोग जल्द ही 243 सदस्यीय बिहार विस के चुनाव की तिथियां घोषित कर सकता है।

गंगा के उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र में प्लास्टिक प्रदूषण में पैकेजिंग अपशिष्ट सर्वाधिक : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गंगा नदी के उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र में प्लास्टिक प्रदूषण में सर्वाधिक मात्रा पैकेजिंग अपशिष्ट की है। एक नये अध्ययन में यह बात सामने आई। इस क्षेत्र में कई संकटग्रस्त प्रजातियों का आवास है।

झारखंड में साहिबगंज जिले के लाल बथानी और राधानगर के बीच के खंड का चयन इसलिए किया गया क्योंकि इसमें 34 किलोमीटर का उच्च जैव विविधता वाला क्षेत्र शामिल है, जो गंगा डॉल्फिन और 'स्मूथ कोटेड ओटर्स' (दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाये जाने वाले ऊदबिलाव की एक प्रजाति) जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों का आश्रय स्थल है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के शोधकर्ताओं द्वारा 'सस्टेनेबिलिटी' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में गंगा के 76 किलोमीटर क्षेत्र में 37,730 मलबे के टुकड़ों का दस्तावेजीकरण किया गया। कुल अपशिष्ट में पैकेजिंग अपशिष्ट का हिस्सा 52.4 प्रतिशत था, जिसमें खाद्य पदार्थों के रैपर, एकल-उपयोग पाउच और प्लास्टिक की थैलियां शामिल थे। प्लास्टिक के टुकड़े 23.3 प्रतिशत के साथ, सर्वाधिक मात्रा में पाया गया दूसरा अपशिष्ट था, इसके बाद तंबाकू से संबंधित कूड़ा 5 प्रतिशत और कप, चम्मच और प्लेट जैसे एकल-उपयोग वाले कटलरी 4.7 प्रतिशत थे। मछली पकड़ने का सामान, कपड़ा और मेडिकल प्लास्टिक भी कम मात्रा में मौजूद थे। डूब क्षेत्र में सबसे अधिक प्रदूषण देखा गया, जहां प्रति वर्ग मीटर घनत्व 6.95 था, जो नदी तटरेखाओं की तुलना में लगभग 28 गुना अधिक था, जहां प्रति वर्ग मीटर घनत्व 0.25 था। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट का स्तर समान था, तथा उच्च और निम्न जनसंख्या घनत्व वाले स्थानों के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं देखा गया। मौसमी अंतर नगण्य थे, लेकिन अध्ययन में पाया गया कि मानसून के बाद बाढ़ ने नदी में कचरा लाकर मलबे की भरपाई कर दी। अकेले उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र में, कुल मलबे का 61 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें बड़ी मात्रा में फेंके गए मछली पकड़ने के जाल और स्टायरोफोम शामिल थे, जो जलीय प्रजातियों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे।

सुपर ओवर में मेरी योजना स्पष्ट थी कि वाइड यॉर्कर फेंको : अर्शदीप सिंह

दुबई/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने एशिया कप सुपर 4 मैच में श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में अपनी सफलता का श्रेय वाइड यॉर्कर फेंकने की अपनी काबिलियत को दिया।

श्रीलंकाई बल्लेबाज पाथुम निसांका और कुसल परेरा ने अर्शदीप के दो ओवरों में 26 रन जुटाए। लेकिन बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अच्छी वापसी की और सुपर ओवर में सिर्फ दो रन दिए और परेरा और दासुन शनाका के विकेट भी लिए। बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए वीडियो में अर्शदीप ने कहा, ''मैं सोच रहा था कि पावर प्ले में हमारे खिलाफ रन बने। बाद में सभी ने योगदान दिया और मैच को सुपर ओवर तक ले गए। सुपर ओवर में मेरी योजना स्पष्ट थी कि वाइड यॉर्कर फेंको और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को सिर्फ ऑफ-साइड में ही रन बनाने दो।।'' योजना कारगर रही जिससे परेरा और शनाका दोनों डीप प्वाइंट (रिंकू सिंह) और डीप बैकवर्ड प्वाइंट (जितेश शर्मा) पर कैच आउट हुए।

अभिषेक के पास नैसर्गिक खेल खेलने की स्वीकृति : जयसूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। श्रीलंका के मुख्य कोच सनथ जयसूर्या ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की निडर बल्लेबाजी की सराहना की है और टीम प्रबंधन को इस युवा खिलाड़ी को अपना स्वाभाविक खेल खेलने का मौका देने का श्रेय दिया है।

जयसूर्या का मानना है कि इसका नतीजा भारतीय टीम को मौजूदा एशिया कप में अभिषेक के लगातार अच्छे प्रदर्शन के रूप में मिला है। पच्चीस वर्षीय भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने शुक्रवार को सुपर ओवर में श्रीलंका पर भारत की जीत के दौरान टूर्नामेंट का अपना तीसरा अर्धशतक जड़ा।

मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अभिषेक में युवा जयसूर्या की झलक दिखती है तो इस श्रीलंकाई दिग्गज ने कहा, ''वह (अभिषेक) अपना स्वाभाविक खेल दिखा रहा है और टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया है।'' जयसूर्या ने कहा, ''यही सबसे जरूरी है क्योंकि अगर कोई अपना स्वाभाविक खेल दिखा रहा है तो हमें उसे अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।'' ग्रुप चरण में बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहने के बाद अभिषेक ने सुपर चार चरण में 74 (पाकिस्तान के विरुद्ध), 75 (बांग्लादेश के विरुद्ध) और 61 (श्रीलंका के विरुद्ध) रन बनाए और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का नजारा पेश किया।

जयसूर्या ने कहा, ''जब भी वह थोड़ा धीमा होना चाहता है तो वह यह भी जानता है कि कैसे धीमा होना है। इसलिए छह ओवर (पावरप्ले के) के बाद अगर वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करना चाहता है तो वह ऐसा कर रहा है। इसलिए दिन-प्रतिदिन वह (अधिक) रन बना रहा है और वह काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है।'' जयसूर्या ने कहा कि उनकी टीम भारत के खिलाफ 'मानसिक अवरोध' का शिकार नहीं हुई थी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शुक्रवार को यहां सुपर ओवर में शानदार गेंदबाजी करके भारत को जीत दिलाई। श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के आक्रामक शतक की मदद से भारत के 202 रन के स्कोर की बराबरी की। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जयसूर्या ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों से काफी संतुष्ट हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि टूर्नामेंट में श्रीलंका के तीनों सुपर चार मैच हारने के बावजूद यह टीम बहुत आगे तक जा सकती है।

मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में जयसूर्या ने कहा, ''मैं मैच को नियमित समय में खत्म करना पसंद करता। कोई भी कप्तान या कोच सुपर ओवर में नहीं जाना चाहता।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से दासुन (शनाका) तीसरा रन पूरा करने से चूक गए। लेकिन भारत के खिलाफ कोई मानसिक अवरोध नहीं था। हमारा बल्लेबाजी क्रम मजबूत है और हमने उन्हें आत्मविश्वास दिया। 200 (203) के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होता लेकिन हमने इसे हासिल कर ही लिया था जो हमारी क्षमता को दर्शाता है।''

वांगचुक को राष्ट्र-विरोधी बताया जा रहा, पर पाक से क्रिकेट मैच जारी : उद्धव

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने को लेकर केंद्र सरकार की शनिवार को आलोचना की। उद्धव ने कहा कि जिस व्यक्ति ने हमारी सेना के लिए सौर टेंट तकनीक विकसित की, उसे राष्ट्र-विरोधी करार दिया जा रहा है, जबकि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने की अनुमति दी जा रही है। मुंबई में संवाददाताओं से मुखातिब उद्धव ने देशभक्तों से रविवार को एशिया कप के फाइनल मुकाबले का बहिष्कार करने की भी अपील की, जिसमें भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम आमने-सामने होंगी। उन्होंने कंपनियों से भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान अपने उत्पादों के विज्ञापन न दिखने का भी आग्रह किया। वांगचुक को शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था और उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया है। यह कदम केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर क्षेत्र में जारी प्रदर्शन के दो दिन पहले हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद उठाया था।

सिंधू को टूर्नामेंट का चयन करना होगा : साइना नेहवाल

मुंबई/भाषा। लंदन ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल का मानना है कि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू जानती हैं कि बड़े टूर्नामेंट किस तरह जीते जाते हैं लेकिन जैसे वह 30 की उम्र में प्रवेश कर रही हैं तो उन्हें समझदारी से प्रतियोगिताओं का चयन करना होगा। तीस साल की सिंधू के लिए यह साल बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। उन्हें कई बार पहले और दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा है लेकिन पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर उन्होंने वापसी के संकेत दिए। नेहवाल ने यहां एक कार्यक्रम के इतर पीटीआई से कहा, ''ऐसा नहीं है कि एक निश्चित उम्र के बाद आप अच्छा नहीं कर सकते। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन आपको उन टूर्नामेंटों पर ध्यान देना होगा जिनमें आप अच्छा करना चाहते हैं। '' उन्होंने कहा, ''आप सभी टूर्नामेंटों में अच्छा नहीं कर सकते क्योंकि यह मुश्किल होता है। इस उम्र में जब आप अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए लगातार इतने सारे टूर्नामेंट खेल रहे होते हैं तो जाहिर है आपको एक निश्चित दौर तक तो पहुंचना ही होगा। '' नेहवाल ने कहा, ''लेकिन अगर आप जीतना चाहते हैं जैसे विश्व चैंपियनशिप या एशियाई चैंपियनशिप तो आपको उन टूर्नामेंटों में पूरी ताकत लगानी होगी। '' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 28-29 साल की उम्र के बाद शरीर की उबरने की क्षमता काफी

'हमारी विश्व कप टीम में युवा व अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत कौर को विश्वास है कि मंगलवार से शुरू हो रहे महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम में हर विभाग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के अच्छे मिश्रण से उनकी टीम को पहली बार विश्व खिताब जीतने में मदद मिलेगी।

भारत चौथी बार आईसीसी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। टीम इससे पहले दो मौकों पर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी। भारतीय टीम ने पिछली बार 2017 में फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब मिताली राज की अगुवाई वाली टीम लॉर्ड्स में इंग्लैंड से रोमांचक मुकाबले में हार गई थी। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता की अच्छी तैयारी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय शृंखला जीती और फिर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सरजमीं पर कड़ी टक्कर दी लेकिन शृंखला में मेजबान टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। आईसीसी के लिए अपने कॉलम में हरमनप्रीत ने लिखा, ''हमारी विश्व कप टीम में सभी विभागों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी प्रतिभावान बल्लेबाज टीम में मौजूद हैं।'' स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक जड़े जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने भी बल्ले से उम्दा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी विभाग में स्पिनरों ने विशेष रूप से सराहनीय प्रदर्शन किया है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में दिल्ली में हुए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भारतीय स्पिनरों ने काफी रन लुटाए थे। हरमनप्रीत ने कहा, ''गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली है जिसमें रेणुका ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के साथ युवा और प्रतिभावान क्रांति गौड़, श्री चरणी और राधा यादव भी हैं। इसके अलावा दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर के रूप में तीन ऑलराउंडर भी हैं जो मैच का रुख भारत की ओर मोड़ सकती हैं।'' उन्होंने कहा, ''एक संतुलित टीम। टूर्नामेंट से पहले समर्पित और केंद्रित तैयारी। सफलता के लिए तत्पर और दृढ़ टीम के साथ हम सकारात्मकता और विश्वास के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में प्रवेश कर रहे हैं।''

हरमनप्रीत ने 2017 में सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन बनाकर भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

सुविचार

एक सामान्य जिंदगी जीने के लिए इंसान को रोटी कपड़ा मकान के अलावा अगर इंसान को किसी चीज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो है सिर्फ शिक्षा।

ट्वीट

कैबिनेट मंत्री श्री हेमंत मीणा जी के पूज्य पिताजी व राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री श्री नंदलाल मीणा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति व शोक संतप्त परिवारजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

-भजनलाल शर्मा

विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में कालवाड़ रोड़ से खिरणी फाटक रोड़ और अजमेर-दिल्ली बायपास से खातीपुरा रोड़ तक वर्षा जल की निकासी हेतु छ31.7 करोड़ की लागत से ड्रेन निर्माण कार्य को स्वीकृति मिलने पर सभी क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-दिया कुमारी

कहानी

दो राहों के बीच

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

मैं जिस एजेंसी में दो साल से काम कर रहा था, वहाँ वह दस साल से थी। सुनीता सांवली थी, लेकिन उसके चेहरे पर एक आभा थी। उसकी आँखों में एक चमक थी, जिसमें जीवन की ललक झलकती थी। वह विधवा थी, लेकिन वह जिंदगी को एक नए सिरे जीना चाहती थी। सुनीता हर किसी से घुल-मिल जाती, लेकिन उसके भीतर एक खालीपन था, जिसे वह छिपा नहीं पाती थी। वह छुट्टियों पर अक्सर किसी दोस्त के घर या रिश्तेदारों के यहाँ चली जाती। दफ़्तर आते ही सबसे पहले टीवी ऑन करती और किसी सीरियल में खो जाती। एक दिन मैंने हँसकर पूछा, आप घर पर भी यही करती हैं क्या? उसने सीधा जवाब दिया, हाँ, घर पहुँचते ही मैं सबसे पहले टीवी ऑन कर देती हूँ। चुप्पी से डर लगता है। विधवा हूँ न, तो अकेलापन मुझे बहुत खटकता है। खुद को व्यस्त रखना मेरी मजबूरी है। उसकी आवाज़ में हल्की थरथराहट थी। उस समय मुझे लगा कि यह औरत बाहर से जितनी हँसमुख दिखती है, भीतर उतनी ही अकेली है।

एक दिन उसने मुझसे अनुनय किया, मुझे परली बैजनाथ जाना है, लेकिन कोई साथ चलने को तैयार नहीं हो रहा, क्या आप मेरे साथ चलेंगे? मैंने सोचा, कितनी अजीब सी बात है, वह इतनी मिलनसार है, फिर भी कोई उसके साथ जाने को तैयार नहीं है? उसके आग्रह के पीछे एक गहरी उदासी छिपी हुई थी। मैंने सहजता से कहा, आप एक बार और कोशिश कर लीजिए। अगर कोई न मिला तो मैं चलूँगा।

कुछ दिन बाद उसने कहा, कोई नहीं मिल रहा। अब आपको ही चलना पड़ेगा। उसकी बातों में कुछ तो था, जो मुझे इस यात्रा के लिए मजबूर कर रहा था। यह एक अजीब सा खिंचाव था, एक अनजाना सफर और रोमांच का मिला-जुला अहसास।

रात की ट्रेन थी। मेरी पत्नी और बेटी मुझे स्टेशन तक छोड़ने आए। उस रात, मानो पूरा शहर हमारे ख़िलाफ़ था। कोई ऑटो नहीं मिल रहा था, और ट्रेन के चलने का समय नज़दीक आ रहा था। आख़िरकार, एक ऑटो वाला मिला। उसने कहा, मैं आपको बिलकुल नज़दीक छोड़ दूँगा, क्योंकि उस तरफ़ ऑटो को जाने की इजाज़त नहीं है।

मैं तैयार हो गया। उसने मुझे एक सुनसान जगह पर उतारा और बोला, इस लाइन से सीधे प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच जाओगे।

अंधेरे में मैं अकेला आगे बढ़ रहा था। हर कदम पर एक अजीब सी बेचैनी थी। मैं मोबाइल की टॉर्च जलाकर आगे बढ़ा और जैसे-तैसे प्लेटफ़ॉर्म पर पहुँच गया। मैंने सुनीता को फ़ोन किया, तुम कहाँ हो?

उसने कहा, मैं पहुँच गई हूँ। पर वह कहीं दिख नहीं रही थी। प्लेटफ़ॉर्म पर सन्नाटा था, और उस सन्नाटे में वह ओझल थी। उसकी आवाज़ कहीं दूर से आ रही थी, मैंने तुम्हें देख लिया है। कभी बोलती, इधर आओ, कभी बोलती, उधर से आओ। यह एक अजीब सा खेल था, जिसमें वह मेरे साथ खेल रही थी। मैं परेशान हो गया। क्या वह मुझे जानबूझकर परेशान कर रही है?

आख़िरकार, एक बेंच पर वह मुझे बैठी हुई मिली। वह मेरे लिए एक चादर भी लाई थी, क्योंकि मौसम थोड़ा सर्द हो गया था। हम दोनों एक बेंच पर बिलकुल सटकर बैठ गए, जैसे कोई पति-पत्नी बैठे हों। कुछ देर बाद, वह थोड़ी अलग सरक गई।

ट्रेन आई और हम अपनी-अपनी बर्थ पर जाकर सो गए। सुबह हम परली बैजनाथ पहुँचे। वहाँ हमने एक होटल ढूँढ़ा। रिसेप्शनिस्ट ने हमसे पहचान-पत्र माँगे। जैसे ही उसने हमारे सरनेम देखे, वह मुस्कुराते हुए कहा, तो आप पति-पत्नी नहीं हैं? हमने कहा कि हम एक ही ऑफ़िस के कलीग हैं। उसने मुस्कुराते हुए कहा, तब तो बिल के अलावा थोड़ा और चार्ज लगेगा।

हमने अनिच्छा से उसे पैसे दिए। कमरे में पहुँचकर उसने कहा, पहले आप फ्रेश हो आइए, फिर मैं जाऊँगी। उसके स्वर में कोई बुराई नहीं थी। थोड़ी देर बाद कॉफ़ी आई। हम चुपचाप पीते रहे। फिर मंदिर की ओर निकल पड़े।

मंदिर में बाबा के दर्शन किए। वहां पंडा जी से रुद्राभिषेक करवाया। 1008 बत्तियों का दिया भी जलाया। वहां मैंने सोचा कि साथ में एक तस्वीर ले लूँ। उसने तुरंत मना कर दिया, नहीं, इन फ़ोटो को देखकर लोग ग़लत मतलब निकालते हैं, रहने दो। उसके स्वर में एक अजीब सा डर छिपा हुआ था।

जब हम रेलवे स्टेशन की ओर लौट रहे थे, तो सुनीता को ख़्याल आया। जब इतने नज़दीक आ ही गए हैं, तो क्यों न शिरडी के साईं बाबा के दर्शन भी कर लें? उसने कहा। शिरडी यहाँ से ज़्यादा दूर नहीं है।

मैं हैरान था। एक पल पहले वह फ़ोटो लेने से डर रही थी, और अब एक नई यात्रा का सुझाव दे रही थी। लेकिन मैंने विरोध नहीं किया और हम शिरडी जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए।

शिरडी पहुँचते-पहुँचते अंधेरा हो चुका था। हमने ओयो से एक होटल ढूँढ़ा और एक कमरा ले लिया। कमरे में पहुँचते ही हमने खाना ऑर्डर किया, साथ में खाना खाया और फिर सोने का समय हो गया।

फिर जो हुआ, उसने मेरे होश उड़ा दिए। सुनीता ने अपने सारे कपड़े उतार दिए और सिर्फ़ ब्लाउज़ और पेटीकोट में ही रह गई। उसने कहा, सुबह चार बजे साईं बाबा का दर्शन करना है, अलार्म लगा लो। फिर उसने कहा, और हाँ, अगर सुबह चाय वाला चाय देने आए, तो तुम मेरे ही पर्स से पैसे निकालकर देना, ताकि वह कुछ गलत न सोचे।

उसने बेड के बीच में एक चुन्नी जैसा कपड़ा रखा और कहा, तुम उस तरफ़ मुँह करके सो जाओ और मैं इस तरफ़ सोऊंगी।

थकान के कारण मुझे जल्दी ही नींद आ गई। सुबह अलार्म बजा। मैं उठा और उसके करीब पहुंचा। जैसे ही मैं उसके ललाट पर किश करने के लिए बढ़ा, सुनीता ने मुझे डाँट दिया, हम लोग ये सब करने नहीं आए हैं, हम पूजा के लिए आए हैं। उसकी आवाज़ बर्फ़ जैसी ठंडी थी। मैं शर्मिंदा होकर पीछे हट गया। फिर मैं नहाने चला गया। जब मैं बाहर आया, तो वह भी नए कपड़े निकालकर वॉशरूम में घुस गई। कुछ देर बाद, उसने दरवाज़ा हल्का सा खोला और अपने पुराने कपड़े एक कोने में फेंक दिए।

हम लोग जब मंदिर के लिए निकलने लगे तो मेरी नज़र उस छोड़े हुए कपड़े पर गई फिर मैंने उससे पूछा, इनका क्या करें? वह बोली, पहले पूजा कर आते हैं, बाद में इनको देखते हैं।

शिरडी के मंदिर में काफ़ी भीड़ थी। मंदिर के मैनेजमेंट ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई रास्ते बना रखे थे। किसी तरह, हमने साईं बाबा के दर्शन किए। वहाँ हमने नीम के पेड़ से गिरे पत्ते उठाए, जो चमत्कारिक रूप से मीठे लगे। लाइन में खड़े होकर भस्म और प्रसाद लिया, द्वारका माई के दर्शन भी किए।

अब हमें लौटना था। हमने वोल्वो बस बुक कर राखी थी, जिसके आने में अभी कुछ समय था। तब हम वहीँ आश्रम के पार्क में बैठ गए। वहाँ हमने शैं बाबा के भोजनालय में भोजन किया और बस स्टेशन की ओर निकल पड़े। बस में बैठते ही काफ़ी सुकून मिला। रास्ते में उसका घर पहले आ रहा था तो वह पहले उतर गई, मैं थोड़ी देर बाद घर पहुंचा।

घर पहुँचकर मैंने अपनी पत्नी को प्रसाद दिया। बच्चे स्कूल चले गए थे। अब मेरी पत्नी ने मुझसे सवाल-जवाब करना शुरू कर दिया। पत्नी ने तीखे स्वर में कहा, आप मैडम के साथ रंगरलियाँ मनाने गए थे ना?

मैं सकते में आ गया। ऐसा कुछ भी हुआ नहीं था, फिर भी मैं उसे कोई सबूत नहीं दे पा रहा था। उसका शक मेरी जान ले रहा था। यह एक ऐसा जाल था, जिसमें मैं फँस चुका था।

जैसे तैसे मैं ऑफ़िस पहुँचा, तो वह सुनीता सबको प्रसाद बाँट रही थी। सबके सामने मैंने उससे पूछा, मैडम, आप शिरडी कब गए थे?

उसने कुछ नहीं कहा, बस मुस्कुरा दी। क्योंकि ऑफ़िस में किसी को नहीं पता था कि मैं उसके साथ ही था। मैंने ऑफ़िस में सुनीता को अपनी परेशानी बताई। उसे भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें।

मेरी पत्नी का यह शक तीन दिनों तक चलता रहा। यह बात उसे परेशान कर रही थी कि मैं एक ग़ैर औरत के साथ इतनी दूर घूमने क्यों गया था?

एक दिन, मैंने अपनी पत्नी को समझाया, सुनो, उसके साथ एक और आदमी जाने को तैयार था, पर मैडम को उस पर भरोसा नहीं था, इसलिए मुझे जाना पड़ा। फिर मैंने उससे कहा, बताओ, अगर मुझे कुछ ग़लत ही करना होता, तो अपने ही शहर में जगह की कोई कमी है क्या? मुझे कहीं दूर जाने की क्या ज़रूरत थी?

मेरी यह बात सुनकर उसे मुझ पर भरोसा हो गया। उसने कहा, ठीक है, अगली बार जाना तो मुझे भी साथ लेकर चलना। और इस तरह, मामला शांत हो गया था। लेकिन मेरे भीतर तूफ़ान अब भी कायम था। सुनीता का आकर्षण, हमारी सीमाएँ और मेरा अपराधबोध सब एक साथ मुझे कचोट रहे थे। एक राह थी आकर्षण की, दूसरी थी संयम की। हमने संयम चुना था और संयम जीवन की सबसे कठिन राह होती है, जहाँ हमें अपनी इच्छाओं को कुचलकर आगे बढ़ना पड़ता है। हम दोनों जानते थे कि यह यात्रा केवल मंदिरों की यात्रा नहीं थी, बल्कि हमारे भीतर की उलझनों की परीक्षा थी - जहाँ हम दो राहों के बीच खड़े थे।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

नव साधना

नवरात्रि शक्तिपर्व है। शास्त्रोक्त एवं परंपरागत पद्धति के साथ-साथ इन नौ संकल्पों के साथ देवी की उपासना करें। निश्चय ही दैवीय आनंद की प्राप्ति होगी।

1. अपने बेटे में बचपन से ही स्त्री का सम्मान करने का संस्कार डालना देवी की उपासना है।

2. घर में उपस्थित माँ, बहन, पत्नी, बेटी के प्रति आदरभाव देवी की उपासना है।

3. दहेज की मांग रखनेवाले घर और वर तथा घरेलू हिंसा के अपराधी का सामाजिक बहिष्कार देवी की उपासना है।

4. स्त्री-पुरुष, सृष्टि के लिए अनिवार्य पूरक तत्व हैं। पूरक न्यून या अधिक, छोटा या बड़ा नहीं अपितु समान होता है। पूरकता के सनातन तत्व को अंगीकार करना देवी की उपासना है।

5. स्त्री को केवल देह मानने की मानसिकता वाले मनोरुग्णों की समुचित चिकित्सा करना / कराना भी देवी की उपासना है।

6. हर बेटी किसीकी बहू और हर बहू किसीकी बेटी है। इस अद्वैत का दर्शन देवी की उपासना है।

7. किसीके देहांत से कोई जीवित व्यक्ति शुभ या अशुभ नहीं होता। मंगल कामों में विधवा स्त्री को शामिल नहीं करना सबसे बड़ा अमंगल है। इस अमंगल को मंगल करना देवी की उपासना है।

8. गृहिणी 247 अर्थात पूर्णकालिक सेवाकार्य है। इस अखंड सेवा का सम्मान करना तथा घर के कामकाज में स्त्री का बराबरी से या अपेक्षाकृत अधिक हाथ बँटाना, देवी की उपासना है।

9. स्त्री प्रकृति के विभिन्न रंगों का समुच्चय है। इन रंगों की विविध छटाओं के विकास में स्त्री के सहयोगी की भूमिका का निर्वहन, देवी की उपासना है।

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।
शारदीय नवरात्रि की हार्दिक मंगलकामनाएँ।

बोध कथा

ईर्ष्यालु चाचा

आसाम के डुमडुमा गाँव में होमेन नामक युवक रहता था। उसके पिता मर चुके थे। माँ ने ही उसे पाल-पोसकर बड़ा किया था। होमेन के चार चाचा थे। वे उससे बहुत जलते थे। एक दिन उन्होंने होमेन के घर से उसका प्यारा बछड़ा चुराया और उसे मार दिया। होमेन को पता चला तो वह बहत दुखी हुआ। फिर न जाने उसे क्या सूझी। बछड़े का सिर काटकर शेष शरीर को दफना दिया। पास के गाँव में एक ब्राह्मण रहता था। बछड़े का कटा सिर उसके आँगन में छिपाकर होमेन ने बाह्मण से कहा-

'आपके घर से तो गौमांस की बदबू आ रही है।' ब्राह्मण गरजकर बोला- 'असंभव, यदि ऐसा है तो मुझे गाय का मांस ढूँढ़कर दिखा।' होमेन ने बछड़े का सिर उसके आगे ला रखा। ब्राह्मण के तो हाथों के तोते उड़ गए। उसने होमेने को बहुत-सा धन दिया ताकि वह गाँववालों को उस बात के बारे में न बताए। होमेन ने थैली भर धन लिया और अपने चाचाओं को दिखाकर बोला, 'पास के गाँव वालों ने मुँहमाँगे दामों पर गौ माँस खरीद लिया। वे लोग तो और भी माँग रहे थे। मैंने कहा, कल लाऊँगा।' चाचा बहुत खुश हुए। उन सबने भी अपने-अपनी गाय बछड़े मारे और उनका मांस पड़ोसवाले गाँव में ले गए। बस, गाँववालों ने उन्हें गाय का मांस लिए देखा तो जमकर पिटाई की।

बौखलाए हुए चाचाओं ने होमेन की झोंपड़ी में आग लगा दी। होमेन और उसकी माँ बेघर हो गए। बेचारी माँ के आँसू देखकर होमेन तिलमिला उठा। उसने राख इकट्ठी की और एक दूसरे गाँव में जा पहुँचा- 'ले लो, आँख का सुरमा ले लो, इसे लगाकर गड़ा धन मिल जाता है। जिसका ब्याह न होता हो, जल्दी ब्याह हो जाता है।' हाथ की हाथ एक थैली सुरमा बिक गया। शेष राख होमेन ने छिपा दी। अपने चाचा के पास जाकर बोला, 'मेरी तो झोपड़ी की सारी राख बिक गई।'

चाचा ने हैरानी से पूछा, 'राख बिक गई?' 'हाँ, इसमें क्या शक है?' कहकर उसने पैसे दिखाए। फिर होमेन ने उन्हें उकसाया कि वे भी अपनी झोंपड़ी जलाकर उस गाँव में राख बेच आएँ। बड़ी झोंपड़ी की तो राख भी ज्यादा होगी।' उसके सारे चाचा बातों में आ गए। चारों ने अपने-अपने घर फूँक दिए और राख ले जाने की तैयारी करने लगे। होमेन ने कहा, 'गाँववालों से कह देना कि हमें सुरमे वाले ने भेजा है।' ज्यों-ही चारों गाँव में पहुँचे और सुरमेवाले का नाम लिया तो सारा गाँव उनके पास पहुँच गया। देखते ही देखते बाँस की लाठियाँ उन पर पड़ने लगीं। बेचारे पिटते-पिटते घर लौटे।

चारों ने गुस्से के मारे होमेन को मारने की योजना बना ली। उन्होंने होमेन को नदी किनारे रस्सी से बाँधा और खुद भात खाने घर चले गए। उनके जाते ही वहाँ से एक सौदागर गुजरा। उसने होमेन से पूछा, 'क्यों भई, तुम्हें यहाँ क्यों बाँधा हुआ है?' होमेन ने बात बनाई, 'जी, मेरे चाचा मेरी शादी एक खूबसूरत लड़की से करना चाहते हैं। मेरे मना करने पर मुझे बाँध दिया।' सौदागर बोला, 'मैं शादी कर लेता हूँ उस लड़की से, क्या ऐसा हो सकता है?' होमेन ने झट से उसे बाँधा और उसका घोड़ा लेकर रफूचक्कर हो गया। चारों चाचा खा-पीकर लेट गए। आलस के मारे उठा न गया। पिटाई के कारण पोर-पोर दुख रहा था। नौकर से बोले, 'जा तू होमेन को नदी में फेंक आ, हमसे तो उठा नहीं जाता।'

नौकर भी कम नहीं था। उसने अपने रिश्तेदार को यह काम सौंप दिया। रिश्तेदार ने सौदागर को ही होमेन समझकर नदी में फेंक दिया। बेचारा सौदागर चिल्लाता ही रह गया। नौकर ने चाचा को सूचना दी, जी, काम हो गया। चारों मिलकर होमेन की मौत की खुशी मनाने लगे। होमेन ने पेड़ के पीछे छिपकर सब देखा और घोड़ा लेकर चाचाओं के पास जा पहुँचा सबको प्रणाम कर बोला, 'नौकर ने गहरा धक्का नहीं दिया इसलिए केवल घोड़ा मिला। यदि गहरा डूबता तो शायद बैल, गाय व हाथी भी लाता। चारों चाचा फिर उसकी बातों में आ गए। होमेन को पुचकारकर पूछा- 'क्या सचमुच नदी में पशु मिल रहे हैं?' 'हाँ, हाँ, आप लोग भी ले आओ।' होमेन ने कहा। चारों चाचा आलस छोड़कर नदी की तरफ लपके। नौकर को भी साथ ले लिया। तट पर पहुँचकर नौकर को आदेश दिया, 'हम चारों को जोर से पानी में धकेल दो।' नौकर ने आज्ञा का पालन किया। होमेन को सदा के लिए ईर्ष्यालु और दुष्ट चाचाओं से मुक्ति मिल गई।

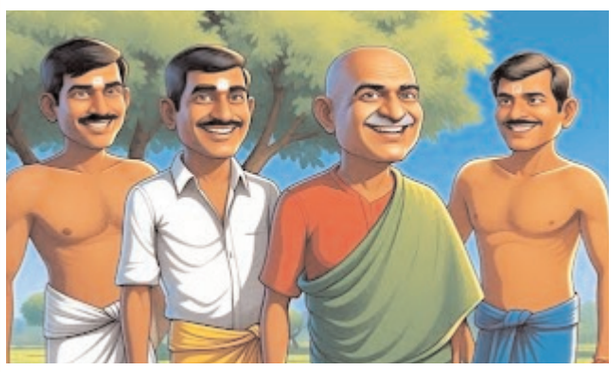

शेर, ऊंट, सियार और कौवा

किसी वन में मदोत्कट नाम का सिंह निवास करता था। बाघ, कौआ और सियार, ये तीन उसके नौकर थे। एक दिन उन्होंने एक ऐसे उंट को देखा जो अपने गिरोह से भटककर उनकी ओर आ गया था। उसको देखकर सिंह कहने लगा, अरे वाह! यह तो विचित्र जीव है। जाकर पता तो लगाओ कि यह वन्य प्राणी है अथवा कि ग्राम्य प्राणी यह सुनकर कौआ बोला, स्वामी! यह ऊंट नाम का जीव ग्राम्य-प्राणी है और आपका भोजन है। आप इसको मारकर खा जाइए। सिंह बोला, मैं अपने यहां आने वाले अतिथि को नहीं मारता। कहा गया है कि विश्वस्त और निर्भय होकर अपने घर आए शत्रु को भी नहीं मारना चाहिए। अतः उसको अभयदान देकर यहां मेरे पास ले आओ जिससे मैं उसके यहां आने का कारण पूछ सकूं।

सिंह की आज्ञा पाकर उसके अनुचर ऊंट के पास गए और उसको आदरपूर्वक सिंह के पास ले लाए। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और बैठ गया। सिंह ने जब उसके वन में विचरने का कारण पूछा तो उसने अपना परिचय देते हुए बताया कि वह साथियों से बिछुड़कर भटक गया है। सिंह के कहने पर उस दिन से वह कथनक नाम का ऊंट उनके साथ ही रहने लगा।

उसके कुछ दिन बाद मदोत्कट सिंह का किसी जंगली हाथी के साथ घमासान युद्ध हुआ। उस हाथी के मूसल के समान दांतों के प्रहार से सिंह अधमरा तो हो गया किन्तु किसी प्रकार जीवित रहा, पर वह चलने-फिरने में अशक्त हो गया था। उसके अशक्त हो जाने से कौवे आदि उसके नौकर भूखे रहने लगे। क्योंकि सिंह जब शिकार करता था तो उसके नौकरों को उसमें से भोजन मिला करता था।

अब सिंह शिकार करने में असमर्थ था। उनकी दुर्दशा देखकर सिंह बोला, किसी ऐसे जीव की खोज करो कि जिसको मैं इस अवस्था में भी मारकर तुम लोगों के भोजन की व्यवस्था कर सकूं। सिंह की आज्ञा पाकर वे चारों प्राणी हर तरफ शिकार की तलाश में घूमने निकले। जब कहीं कुछ नहीं मिला तो कौए और सियार ने परस्पर मिलकर सलाह की। श्रृगाल बोला, मित्र कौवे! इधर-उधर भटकने से क्या लाभ? क्यों न इस कथनक को मारकर उसका ही भोजन किया जाए?

सियार सिंह के पास गया और वहां पहुंचकर कहने लगा, स्वामी! हम सबने मिलकर सारा वन छान मारा है, किन्तु कहीं कोई ऐसा पशु नहीं मिला कि जिसको हम आपके समीप मारने के लिए ला पाते। अब भूख इतनी सता रही है कि हमारे लिए एक भी पग चलना कठिन हो गया है। आप बीमार हैं। यदि आपकी आज्ञा हो तो आज कथनक के मांस से ही आपके खाने का प्रबंध किया जाए। पर सिंह ने यह कहते हुए मना कर दिया कि उसने ऊंट को अपने यहां पनाह दी है इसलिए वह उसे मार नहीं सकता। पर सियार ने सिंह को किसी तरह मना ही लिया। राजा की आज्ञा पाते ही श्रृगाल ने तत्काल अपने साथियों को बुलाया लाया। उसके साथ ऊंट भी आया। उन्हें देखकर सिंह ने पूछा, तुम लोगों को कुछ मिला? कौवा, सियार, बाघ सहित दूसरे जानवरों ने बता दिया कि उन्हें कुछ नहीं मिला। पर अपने राजा की भूख मिटाने के लिए सभी बारी-बारी से सिंह के आगे आए और विनती की कि वह उन्हें मारकर खा लें। पर सियार हर किसी में कुछ न कुछ खामी बता देता ताकि सिंह उन्हें न मार सके।

अंत में ऊंट की बारी आई। बेचारे सीधे-साधे कथनक ऊंट ने जब यह देखा कि सभी सेवक अपनी जान देने की विनती कर रहे हैं तो वह भी पीछे नहीं रहा।

उसने सिंह को प्रणाम करके कहा, स्वामी! ये सभी आपके लिए अभक्ष्य हैं। किसी का आकार छोटा है, किसी के तेज नाखून हैं, किसी की देह पर घने बाल हैं। आज तो आप मेरे ही शरीर से अपनी जीविका चलाइए जिससे कि मुझे दोनों लोकों की प्राप्ति हो सके।

कथनक का इतना कहना था कि व्याघ्र और सियार उस पर झपट पड़े और देखते-ही-देखते उसके पेट को चीरकर रख दिया। बस फिर क्या था, भूख से पीड़ित सिंह और व्याघ्र आदि ने तुरन्त ही उसको चट कर डाला। सीख : धूर्तों के साथ जब भी रहें पूरी तरह से चौकन्ना रहें, और उनकी मीठी बातों में बिलकुल न आयें और विवेकहीन तथा मूर्ख स्वामी से भी दूर रहने में ही भलाई है।

वीर गाथा

मेजर साहिल रंधावा : निर्भीकता की मिसाल, आतंकवादियों का काल

मेजर साहिल रंधावा ने 'ए' श्रेणी के एक कुख्यात आतंकवादी का खात्मा कर देशवासियों के जीवन को अधिक सुरक्षित बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था। वे कई सैन्य अभियानों में भी अद्भुत पराक्रम का प्रदर्शन कर चुके हैं। माता पुष्पिंदर कौर और पिता एसएस रंधावा के बेटे साहिल का ताल्लुक आर्टिलरी रेजिमेंट से है। बाद में, उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 34वीं बटालियन में तैनात किया गया।

साहिल ने जून 2022 से ऐसे कई सफल अभियानों का नेतृत्व किया, जिनमें बड़े आतंकवादियों का खात्मा हुआ है। 16 नवंबर, 2023 को मिली एक खुफिया सूचना के आधार पर शोपियां जिले के किसी गांव में विशेष अभियान शुरू किया गया था। वहां आतंकवादियों की मौजूदगी की आशंका थी।

मेजर साहिल के नेतृत्व में उस इलाके को घेर लिया गया था। देर रात तीन आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी थी। उन्होंने ग्रेनेड फेंक कर भागने की कोशिश की थी। यह देखकर साहिल तुरंत आगे बढ़े और उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी कर दबाव बनाया। इस दौरान आतंकवादी, जवानों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनके बीच मेजर साहिल चट्टान बनकर खड़े थे।

साहिल ने गंभीर खतरे के बावजूद अपनी सुरक्षा की परवाह नहीं की। उन्होंने एक आतंकवादी को निशाने पर लिया और उसे वहीं धराशायी कर दिया। इसके बाद उन्होंने दूसरे आतंकवादी को ललकारा। साहिल उसके नजदीक गए। उन्होंने गोली चलाई और आतंकवादी ढेर हो गया। बाद में शिनाख्त करने पर पता चला कि वह 'ए' श्रेणी का बहुत खूंखार आतंकवादी था। मेजर साहिल रंधावा ने अत्यंत कुशलता, वीरता और निर्भीकता के साथ अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें भारतीय जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ था। इसके लिए उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रौद्योगिकी को गुरु नहीं, उपकरण के रूप में देखें : शिक्षाविद

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षाविदों ने कहा है कि 'जनरेटिव' कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में लोगों को प्रौद्योगिकी को एक ''उपकरण के रूप में देखना चाहिए, न कि गुरु के तौर पर।''

शनिवार को यहां आयोजित एक सम्मेलन में शिक्षाविदों ने बच्चों द्वारा एआई के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

'जनरेटिव' एआई एक तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली है, जो मौजूदा जानकारी के विशाल डेटासेट से सीखकर नई, मौलिक सामग्री तैयार करने में सक्षम है, जिसमें टेक्स्ट से लेकर चित्र, संगीत, ऑडियो, वीडियो और कोड तक शामिल है।

'ह्यूमन फर्स्ट, टेक फॉर्वर्ड : द न्यू बैलेंस इन एजुकेशन' विषय पर आयोजित 'एसटीएआर ग्लोबल एजुकेशन कॉन्फ्रेंस' में शिक्षाविदों ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के बारे में जागरूकता स्कूल स्तर से शुरू होनी चाहिए।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) में कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण के निदेशक विश्वजीत साहा ने कहा कि जब प्रौद्योगिकी हावी होने लगती है, तो यह मानवता के लिए खतरा बन जाती है। उन्होंने कहा, ''प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन सावधानी के साथ। यह महत्वपूर्ण है कि माता-पिता अपने बच्चों को यह बात सही मायने में सिखाएं।''

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष टीजी सीताराम ने कहा कि प्रौद्योगिकियां आती-जाती रहेंगी, लेकिन उनका इस्तेमाल हमेशा सही तरीके से किया जाना चाहिए।

सम्मेलन में सीताराम को शिक्षा गरिमा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, ''एक दौर था, जब केवल एक फीसदी लोग ही उच्च शिक्षा प्राप्त करते थे।

'निसार' उपग्रह की पहली तस्वीरों में दिखा अमेरिका के जंगलों, आर्द्रभूमि और द्वीपों का विस्तृत विवरण

नई दिल्ली/भाषा। नासा-इसरो के संयुक्त उपग्रह से प्राप्त पहली तस्वीरों में अमेरिका के संकरे जलमार्ग, द्वीप समूह, जंगल व आर्द्रभूमि और बड़े-बड़े खेत दिखाई दिये। नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह से प्राप्त पहली तस्वीरें इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने जारी की। 'निसार' को अब तक का सबसे महंगा उपग्रह बताया जा रहा है। 'मेन' तट पर स्थित माउंट डेजर्ट द्वीप की 21 अगस्त को ली गई एक तस्वीर में द्वीप के बीचों बीच से गुजरते संकरे जलमार्ग और उसके आसपास पानी में मौजूद छोटे-छोटे द्वीप दिखाई दे रहे हैं। 'एल-बैंड' एसएआर ने 23 अगस्त को ग्रैंड फोर्क्स और वॉल्श काउंटियों से घिरे उत्तर-पूर्वी नॉर्थ डकोटा के एक हिस्से का डेटा एकत्र किया। तस्वीर में फॉरेस्ट नदी पश्चिम से पूर्व की ओर और उत्तर व दक्षिण की ओर खेतों से होकर गुजरती हुई दिखाई दे रही है। हल्के रंग चारागाह या सोयाबीन और मक्का जैसी फसलों की उपस्थिति को दर्शाते हैं। वाशिंगटन स्थित नासा मुख्यालय में विज्ञान मिशन निदेशालय की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर निकी फॉक्स ने बताया, ये शुरुआती तस्वीरें उस गहन वैज्ञानिक खोज की एक झलक मात्र हैं, जो भविष्य में निसार द्वारा ली जाएंगी। ये आंकड़े और जानकारियां वैज्ञानिकों को पृथ्वी की बदलती जमीन व बर्फ की सतहों का अभूतपूर्व विस्तार से अध्ययन करने में सक्षम बनाएंगी तथा नीति निर्माताओं को प्राकृतिक आपदाओं और अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करेंगी।

ऐसा लगता है कि यूक्रेन को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया काफी बदल गया है

लंदन। ऐसा लगता है कि यूक्रेन को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया काफी बदल गया है। पहली नजर में तो ऐसा लगता है कि उन्होंने पूरी तरह से इस आशावादी रुख को अपना लिया है कि कीव ''पूरे यूक्रेन को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने के लिए लड़ने और जीतने की स्थिति में है''। इसके साथ यह संदेश भी आया कि इसे साकार करने के लिए यूरोपीय देशों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

ट्रंप के अनुसार यूक्रेन की जीत समय, धैर्य और यूरोप तथा विशेष रूप से उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के वित्तीय समर्थन पर निर्भर करती है। अमेरिका की एकमात्र प्रतिबद्धता ''नाटो को हथियार उपलब्ध कराना है ताकि नाटो उनके साथ जो चाहे कर सके।'' सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर अपने संदेश के अंत में लिखा, ''सभी को शुभकामनाएं!'' यह शायद अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि अमेरिकी राष्ट्रपति शांति समझौते के अपने प्रयासों से पीछे हट रहे हैं।

इससे यह भी पता चलता है कि उन्होंने रूस के अपने समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ एक अलग समझौते का विचार छोड़ दिया है। लेकिन यहीं पर अच्छी खबर समाप्त हो जाती है और यहीं पर यूरोपीय नेतृत्व वाले गठबंधन को इस महाद्वीप को और अधिक अस्थिर वातावरण में सुरक्षा और स्थिरता प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

नाटो हवाई क्षेत्र में रूसी घुसपैठ के कई सप्ताह बाद, ड्रोनों ने जिनके रूस से जुड़े होने की अत्यधिक संभावना है कोपेनहेगन हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में दो बार डेनमार्क के हवाई क्षेत्र को बाधित किया।

ऐसा लगा जैसे कि यह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा 24 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये गये उनके भाषण में की गई भविष्यवाणी का पूर्वाभास था। पुतिन की लगातार उकसावे वाली गतिविधियां कीव के यूरोपीय सहयोगियों के लिए एक खुली चुनौती हैं। इस गठबंधन के केंद्र में, यूरोपीय संघ ने निश्चित रूप से यह प्रदर्शित किया है कि वह इस चुनौती का सामना करने के लिए अपनी वाक्पटुता दिखाने को तैयार है।

गरबा

नई दिल्ली के सुंदर नर्सरी में दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक गरबा महोत्सव के दौरान गरबा करते हुए।

नीरज घायवान ने कहा था, होमबाउंड' फिल्म के किरदारों को हल्के में नहीं ले सकते: ईशान खट्टर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता ईशान खट्टर ने कहा कि निर्देशक नीरज घायवान ने फिल्म होमबाउंड' के कलाकारों के सामने चुनौती रखी थी कि हमें अपने किरदार के संवादों को सिर्फ याद नहीं करना था बल्कि उन्हें जीना भी था। ईशान ने कहा कि इस फिल्म से उन्हें आत्मनिरीक्षण करने में मदद मिली। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित यह फिल्म उत्तर भारत के दो युवकों चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) की दोस्ती पर आधारित है। फिल्म में दोनों दोस्तों का सपना पुलिस बल में शामिल होने का था लेकिन उनकी जाति और धर्म को लेकर सामाजिक पूर्वाग्रह उनके सपने में बाधा उत्पन्न करते हैं। अभिनेता ने निर्देशक के साथ अपनी बातचीत के बारे में पीटीआई-भाषा' को बताया, नीरज ने मुझे और इस फिल्म में काम करने वाले सभी लोगों को यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया था कि हम अपने किरदारों को हल्के में नहीं ले सकते।

ईशान ने कहा, उन्होंने (नीरज) कहा था कि ये किरदार आपके लिए नहीं लिखे गये हैं बल्कि आपको खुद को इन किरदारों में ढालना होगा। इसलिए, उनका हमसे पहला अनुरोध था कि आप भले ही इसे कुशलता से निभा सकते हैं, आप एक शानदार, प्रभावशाली प्रस्तुति दे सकते हैं लेकिन मैं चाहता हूं कि आप किरदार में पूरी तरह ढल जाएं। मैं

चाहता हूं कि आप इन किरदारों को जीने की कोशिश करें। बियॉन्ड द क्लाउड्स', धड़क' और पिप्पा' जैसे फिल्मों में अपने किरदार के लिए मशहूर ईशान ने कहा कि अपने करियर के इस मोड़ पर घायवान जैसे निर्देशक के साथ काम करना उनकी चाहत थी। उन्होंने कहा, बहुत कम निर्देशक आपको इस तरह आगे बढ़ने का मौका देते हैं।

मैंने ऐसे ही निर्देशक माजिद मजीदी के साथ अपने करियार की शुरुआत की थी और मुझे तुरंत पता चल गया था कि नीरज मेरे लिए एक बहुत बड़ा तोहफा साबित होंगे और वह हैं भी। शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई होमबाउंड' पत्रकार बशारत पीर के द न्यू यॉर्क टाइम्स' के लेख टेकिंग अमृत होम' से प्रेरित है।

पवन कल्याण की फिल्म 'ओजी' ने बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास

मुंबई/एजेन्सी

इस साल की दो बड़ी फिल्मों ने दर्शकों का खासा ध्यान खींचा है, जो बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त टक्कर दे रही हैं। पहली साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' और दूसरी कोर्टरूम ड्रामा 'जॉली एलएलबी 3' है। सैकनिल्क के मुताबिक, 'दे कॉल हिम ओजी' ने रिलीज के पहले दिन से ही तहलका मचा दिया। पवन कल्याण के फैंस के बीच इस फिल्म का क्रेज काफी देखने को मिल रहा है। फिल्म ने पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर लगभग 90 करोड़ रुपए का बिजनेस किया, जो कि इस साल की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग मानी जा रही है। इसके साथ ही इस फिल्म ने रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर 'कुली' के पहले दिन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। इस शानदार शुरुआत के चलते यह फिल्म लंबी अवधि तक बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा जमा सकती है।

दूसरी ओर 'जॉली एलएलबी

3' ने पहले सप्ताह के अंदर अपनी खास जगह बनाई है। इस फिल्म ने एक हफ्ते में भारत में लगभग 73.5 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया है। पहले दिन यानी शुक्रवार को 'जॉली एलएलबी 3' ने 12.5 करोड़ की ओपनिंग की, जो एक अच्छी शुरुआत है। इसके बाद शनिवार और रविवार को फिल्म ने जबरदस्त उछाल लिया। शनिवार को 20 करोड़ और रविवार को 21 करोड़ रुपए की कमाई दर्ज की गई। इस तरह फिल्म ने अपने पहले तीन दिनों में ही 53.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया था। चौथे दिन, यानी सोमवार से फिल्म की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ने लगी। सोमवार को फिल्म ने केवल 5.5 करोड़ का कलेक्शन किया, जबकि मंगलवार को 6.5 करोड़ रुपए की कमाई हुई।

बुधवार को यानी छठे दिन फिल्म का ग्राफ गिरा और इसने महज 4.25 करोड़ रुपए का कारोबार किया। गुरुवार को फिल्म ने 3.50 करोड़ का कारोबार किया। शुरुआती दिनों में इसकी कमाई उतनी तेजी से नहीं बढ़ी जितनी कि 'ओजी' की हुई, लेकिन लगातार बढ़ती दर्शक संख्या ने इसे स्थिर प्रदर्शन देने में मदद की।

क्या 2018 के प्रसिद्ध अनंत पद्मनाभस्वामी मंदिर केस से प्रेरित है फिल्म 'जटाधारा' की कहानी?

मुंबई/एजेन्सी

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू स्टारर 'जटाधारा' अपने पहले लुक और भव्य टीज़र रिलीज़ के बाद से ही सुर्खियों में है। इस फिल्म को एक पौराणिक, रहस्यमयी और बड़े पैमाने पर बनी सुपरनैचुरल-एक्शन थ्रिलर बताया जा रहा है, जो आस्था, लालच और पवित्र स्थलों में छिपे रहस्यों की गहराइयों में उतरती है। फिल्म की पृष्ठभूमि मंदिर से जुड़े सदियों पुराने रहस्यों और कथाओं से प्रेरित मानी जा रही है। मंदिर की गाथा में सबसे रहस्यमय किस्सा है छठे द्वार का, जिसे खोलने की कोशिश के बाद कई अनहोनी घटनाएँ घटित होने की बात कही जाती है। कहा जाता है कि प्रयास करने वाले की मौत हुई थी और इसके बाद केरल में प्राकृतिक आपदाएँ आई थीं। निर्देशक वेण्कट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने फिल्म को लोककथाओं और वास्तविक घटनाओं से जोड़ने के लिए गहन

रिसर्च की है, ताकि दर्शकों को प्रामाणिकता का एहसास हो। हालांकि, 'जटाधारा' किसी डॉक्यूमेंट्री की तरह सच्ची घटनाओं का सीधा चित्रण नहीं है, बल्कि यह कल्पना, पौराणिकता और रहस्य का मेल है, जिसे वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

फिल्म में सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला, सुभालेखा सुधाकर समेत दमदार कलाकारों की टोली है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंगल और निखिल नंदा ने किया है। सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं। फिल्म का म्यूज़िक ज़ी म्यूज़िक कंपनी ने तैयार किया है। जटाधारा 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। पद्मनाभस्वामी मंदिर अपनी गुप्त तहखानों, अकूत खज़ाने और प्रशासन को लेकर हुए कानूनी विवादों की वजह से लंबे समय से रहस्य और आकर्षण का केंद्र रहा है। माना जा रहा है कि मेकर्स ने इन्हीं वास्तविक घटनाओं और दंतकथाओं को आधार बनाकर एक पौराणिक और लोककथाओं से भरी काल्पनिक कहानी गढ़ी है, जिसमें अच्छाई और बुराई का टकराव दिखाया गया है।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे यह मौका मिला : बॉबी देओल ने 'बंदर' फिल्म में अपने किरदार पर कहा

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल का कहना है कि हर अभिनेता ऐसी भूमिकाएं निभाने की ख्वाहिश रखता है जो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करें और वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ अपनी आगामी फिल्म बंदर में ऐसा ही एक किरदार निभाने का मौका मिला।बॉबी इस फिल्म में पहली बार अनुराग कश्यप के साथ काम कर रहे हैं। इसे हाल ही में टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) में दिखाया गया था।ऐसा कहा जा रहा है कि यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और ऐसे अभिनेता की कहानी है जिस पर उसकी पूर्व प्रेमिका बलात्कार का आरोप लगाती है। फिल्म का उद्देश्य व्यवस्थागत अन्याय, अदालतों में दबी हुई आवाज़ों और कानूनी ढांचे की कमजोरियों को उजागर करना है।

देओल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम सभी ऐसे किरदार निभाने का सपना देखते हैं जो हमारे अंदर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाएं, लेकिन ऐसे मौके आसानी से नहीं मिलते। इस फिल्म उद्योग में सबसे बड़ा संघर्ष अपनी असली काबिलियत के लिए पहचान पाना है। मैं अपने आप को खुशकिस्मत समझता हूं कि मुझे यह मौका मिला।एनिमल जैसी फिल्मों और 'आश्रम' कार्यक्रम तथा हाल ही में द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने प्रदर्शन के लिए सराहे गए देओल ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी फिल्में टीआईएफएफ जैसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में दिखाई जाएंगी। निखिल द्विवेदी द्वारा निर्मित बंदर में सान्या मल्होत्रा, सबा आज़ाद और सपना पब्बी भी हैं।

सफलता एक-दो गानों से नहीं मिलती, हर दिन मेहनत करनी पड़ती है : गायिका शिल्पा राव

जमशेदपुर/भाषा

सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका का राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाली शिल्पा राव ने कहा है कि सफलता सिर्फ कुछ कामों कर के नहीं मिलती बल्कि हर दिन मेहनत करनी पड़ती है। वह अपने गृहनगर जमशेदपुर में एक मीडिया संस्थान द्वारा उनकी सफलता पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां आयी थीं। गायिका को 2023 में आई शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में 'चलेया' गाने के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित गया है। उन्होंने कहा सिर्फ एक-दो गाने से आपको सफलता नहीं मिल जाती । आपको हर दिन मेहनत करना पड़ता है। शिल्पा ने अपने परिवार, स्कूल, दोस्तों के साथ साथ मीडिया भी को उनका साथ देने के लिए आभार व्यक्ति किया और कहा कि इसके कारण गायक बनने का उनका सपना पूरा होने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि कोई भी गाना विवाद की वजह से सफल नहीं होता है बल्कि उसके लिए तीन चीजों की आवश्यकता होती है बहुत अच्छी तैयारी करना, गाने के अच्छे बोल और उसे सही ढंग से गाना।।

शिल्पा ने 'चलेया' गाने को बनाने वाली टीम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा संगीतकार विशाल शेखर, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद,

शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और यश राज फिल्म्स सभी ने बेहतरीन काम किया है। मैं खुश हूं कि गाने ने लोगों के दिलों को छुआ। संगीत में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को लेकर शिल्पा ने कहा कि वह प्रौद्योगिकी को नकारात्मक रूप से नहीं देखती है। उन्होंने कहा प्रौद्योगिकी, जिसमें एआई शामिल है, श्रम की बचत करने और निर्माण को सुव्यवस्थित करने में मददगार साबित हो सकती है। किंतु (प्रौद्योगिकी की मदद से संगीत पैदा कर कलाकार) लोगों को हटाना चर्चा का एक अलग विषय है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह स्थानीय प्रतिभाओं को प्रेरित करेंगी, उन्होंने कहा, मैं सफल गायक बनने के तरीके या फिल्म में कैसे गया जाता है, यह नहीं बता सकती लेकिन एक अच्छा गायक बनने में थोड़ी मदद कर सकती हूं। उन्होंने कहा मैं सिर्फ वही गाने गाती हूं जो मेरी आवाज के अनुरूप हो।

श्रुति हासन ने एक बार फिर अपनी गायिकी से हैरान किया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को अपनी गायिकी से हैरान कर दिया है। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी संगीतमय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वीडियो में श्रुति ने काले रंग का स्टाइलिश स्लीवलेस बॉडीकॉन टॉप और जींस पहनी है, जिसमें वह बेहद आकर्षक लग रही हैं। उनके खुले बाल उनके लुक को और निखार रहे हैं। पियानो की धुनों के साथ वह अपनी मधुर आवाज में गाना बड़े मन से गा रही हैं। इस वीडियो ने उनके प्रशंसकों का दिल जीत लिया और उनकी बहुआयामी प्रतिभा को एक बार फिर उजागर किया। श्रुति ने वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी रचनात्मक यात्रा के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, काफी समय हो गया है कोई नया गाना लिखे। सच कहूं तो, मैं लिख नहीं पा रही हूं। यह कभी परफेक्शन की खोज के बारे में नहीं था। जब दिल से भावनाएं निकलती हैं, तो सही समय पर सबकुछ अपने आप सिखा देती हैं। बस वही होना चाहिए जो मैं हूं और वहीं रहना चाहिए जहां मुझे होना चाहिए। श्रुति हासन न केवल अपनी अभिनय कला के लिए जानी जाती हैं, बल्कि संगीत के क्षेत्र में भी उनकी गहरी रुचि रही है। उन्होंने अपनी आवाज में कई गाने भी गाए हैं और संगीत रचना में भी योगदान दिया है। सोशल मीडिया पर उनके इस पोस्ट को खूब सराहना मिल रही है और प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में बहुचर्चित फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने प्रीति राजशेखर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार रजनीकांत, तेलुगु सिनेमा के दिग्गज नागार्जुन अक्किनेनी, मलयालम एक्टर सौबिन शाहिर, और बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान भी नजर आए थे। अब श्रुति जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'सालार पार्ट 2: शौर्यंगा पर्वम' में दिखाई देंगी। इसका पहला पार्ट 'सालार: पार्ट 1सीजफायर' साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों से काफी प्यार मिला था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 28-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

आराध्य के बिना साधना की शुरआत नहीं हो सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में विराजित राष्ट्रसत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को प्रवचन में बताया कि जिन्होंने परमार्थ के लिए अपना निस्वार्थ भाव से संपूर्ण न्योछावर कर दिया वह साधना के माध्यम से मानवता के लिए आदर्श बने। उनके बारे में सुनकर देखकर पढ़कर जो पूजनीय भाव बनते हैं। वह आराध्य के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। नवरात्रि के छठे दिन संबोधित करते उन्होंने कहा कि आराध्य का मन मंदिर में निवास कराए बिना साधना की शुरुआत नहीं हो सकती है। वह साधन बिना दूल्हे की बारात के समान है। वह हमारा केंद्र बिंदु होता है जो साधना में ऊर्जा का संचार करता है।

उन्होंने कहा कि जिनको हम आराध्य मानते हैं वह हमारे परमात्मा से बढ़कर होता है। उसको प्यार करने से किसी को रोकने का अधिकार नहीं है, और वंचित रखने का अधिकार भी नहीं है, सभी आराध्य समान होते हैं आराध्य को लेकर परस्पर भेदभाव की दीवार खड़ी करना छोटा बड़ा मानना विवाद खड़े करना उनके सिद्धांतों को उनके उपासक द्वारा पैरों तले कुचलना के समान है। कोई भी आराध्य ऐसा करने की इजाजत नहीं देता।

मुनि कमलेश ने कहा कि जो राम अथवा रहीम आदि को आराध्य मानता है उसे हर महापुरुष में उसे अपने आराध्य नजर आने चाहिए। अभेद अवस्था आने पर ही आत्मा साधना में प्रवेश कर सकती है। आराध्य एक ही है उनको अनेक नाम से पुकारा जाता है। जैसे पानी कहो अथवा वाटर चीज एक है। आराध्य मिट्टी जैसा भी हो हमारी भावना सोने जैसी है तो हमें सोने जैसा लाभ मिलेगा वहीं आराध्य सोने जैसे हैं और हमारी भावना मिट्टी जैसी है तो हमें मिट्टी जैसा लाभ मिलेगा। आराध्य के माध्यम से आत्मा में निर्मलता विचारों में सरलता और भाव में पवित्र आसानी चाहिए तभी वरदान बनेगा। उनके निमित्त से मालिन नफरत और भेदभाव दुर्भावना का निर्माण होता है तो हमारे आराध्य हमारे लिए अभिशाप बनेगा। आराध्य हमें नहीं उसके निमित्त से हम अपना उत्थान और पतन दोनों अपना कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी अजीत कोठारी ने संचालन किया।

ज्ञानचंद कोठारी को महावीर इंटरनेशनल अपेक्स का अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चयनित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल एपेक्स, जयपुर द्वारा चेन्नई मेट्रो के ज्ञानचंद कोठारी को वर्ष 2025-27 के लिए रीजन 10 के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के गौरवशाली पद पर अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन द्वारा चयनित कीया गया। ज्ञानचंद कोठारी अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

महासचिव सोहन वैद्य ने बताया कि रीजन-10 में आंध्रप्रदेश- उड़ीसा संभाग, तेलंगाना-कर्नाटक संभाग, तमिलनाडु-केरला संभाग सम्मिलित होंगे, जिनका समन्वय, निर्देशन एवं निगरानी ज्ञानचंद कोठारी के अधीन रहेगी।

बुरे के साथ भी भला करने की भावना रखो : डॉ.समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सानिध्य में शनिवार को पुच्छिसुणम सूत्र आराधना का आयोजन हुआ। इसके उपरांत प्रवचन में मुनिजी ने यह प्रश्न उठाया कि कौन सज्जन से भगवान बनता है? कौन साधु से भगवान बनता है? कौन-सी साधना ऐसी है कि सज्जन भगवान बन जाते हैं? उन्होंने बताया कि इंसान अनगिनत बार सज्जन और साधु तो बने होंगे, लेकिन भगवान नहीं बन पाए। इसका कारण यही है कि हम सज्जन बनने के बाद भी उस साधना से वंचित रह जाते हैं, जो हमें भगवान बना सके।

शनिवार को परदेशी राजा की कथा का समापन हुआ। कथा के माध्यम से मुनिश्री ने समझाया कि यह यात्रा सज्जन से भगवान बनने की है। परदेशी राजा पहले एक निर्दयी राजा था, जो छोटी सी गलती पर भी प्रजा को फांसी की सजा सुना देता था। लेकिन वही राजा सज्जन बना। मुनिजी ने कहा कि दुर्जन से सज्जन बनने में वर्षों लग जाते हैं, पर सज्जन से भगवान बनने के लिए एक दिन ही काफी है। उन्होंने सज्जन की परिभाषा बताते हुए कहा कि सज्जन वही है जो अपने उपकारी को हृदय से अपनाता है, बड़ों का सम्मान करता है, माता-पिता के चरण स्पर्श करता है, और दूसरों से मधुर वाणी में व्यवहार करता है। सज्जन दूसरों का भला करता है, लेकिन भगवान वही बनता है जो शत्रु का भी भला करने की भावना रखे।

उदाहरण देते हुए मुनिश्री ने कैकई और श्रीराम का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि कैकई ने तो इंसानियत तक खो दी थी और माँ बनने के लक्षण तक भूल गई थी। लेकिन श्रीराम के हृदय में यह विचार तक नहीं आया कि उन्होंने मेरे साथ बुरा किया है, तो मैं उनके चरण कैसे छुऊँ। इसके विपरीत राम ने पहले कैकई के चरण स्पर्श किए, बाद में माता कौसल्या के। यही क्षण था जब भगवान बनने की यात्रा प्रारंभ हुई।

मुनिजी ने स्पष्ट कहा कि हमारे साथ जिसने बुरा किया, नुकसान पहुँचाया, जो हमारा दुश्मन है, उसके लिए भी भला सोचने की भावना जागृत करना ही सज्जन से भगवान बनने की राह है। यह सरल नहीं है, यह हमारे लिए असंभव जैसा कार्य है। लेकिन इसी साधना में जीवन की महानता छुपी है। उन्होंने परदेशी राजा की कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जब रानी ने राजा को विषमिश्रित भोजन कराया और राजा को इसका ज्ञान हुआ, तब भी राजा ने उससे कोई प्रश्न नहीं किया। यदि हम होते तो सबसे पहले पूछते और कठोर दंड देते। लेकिन परदेशी राजा ने गुरु के वचनों को स्मरण किया और धर्म की राह पर चलकर अपनी आत्मा को सन्मार्ग की ओर अग्रसर किया। अंततः उन्होंने सिद्धगति को प्राप्त किया।

मुनिश्री ने कहा कि गुरु के चरण स्पर्श करना, माता-पिता की सेवा करना या उपकारी का भला करना बड़ी बात नहीं है। सच्ची महानता तभी है जब हम अपने शत्रु का भी भला करने की सोचें। यही सज्जन से भगवान बनने की यात्रा है। साथ ही शनिवार को नवरात्रि स्पेशल जाप का छठा दिवस भी मनाया गया। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

शक्ति पब्लिक स्कूल में भगवान तिरुपति बालाजी का हुआ श्रीपाद पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुतनी। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से ओतप्रोत वातावरण में शक्ति पब्लिक स्कूल, तिरुतनी के प्रांगण में भगवान तिरुमला तिरुपति बालाजी के श्री पाद पूजन का दिव्य और भव्य आयोजन 26 सितम्बर को शाम में किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के पावन चरण (श्री पाद) का आगमन वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और पारंपरिक स्वागत विधियों के साथ हुआ। पावन चरणों का पूजन एवं अभिषेकम् वैदिक रीति से विद्वान पंडितों और गोपाल के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस दिव्य अनुष्ठान में सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए और सभी ने प्रभु के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे मुंधड़ा तथा प्रधानाचार्या यादला नागलक्ष्मी के मार्गदर्शन में, पूरे शिक्षकगण और स्टाफ के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत अनुशासित, व्यवस्थित एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध रहा। विशेष रूप से अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए अलग से दर्शन व्यवस्था की गई थी, जिससे प्रत्येक भक्त को दिव्य अनुभूति प्राप्त हो सकी। कार्यक्रम में एसएसडीवी एसोसिएशन के सचिव केके माहेश्वरी, पत्राचारक मोहन दम्मानी, श्रीमती कृष्णा भैया, सुमन दम्मानी, नवीन अग्रवाल, अभिषेक, श्रीधर आदि सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे।

ट्रैफिक बैरिकेड्स — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के रायपेटा स्थित इंडियन बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा शहर भर में यातायात प्रबंधन को सुचारू बनाने में मदद के लिए ग्रेटर चेन्नई पुलिस को ट्रैफिक बैरिकेड्स सौंपे। बैंक के प्रबंधन निदेशक एवं सीईओ बिनोद कुमार, कार्यकारी निदेशकों और बोर्ड के अन्य निदेशकों, सदस्यों ने ग्रेटर चेन्नई पुलिस को ये बैरिकेड्स भेंट किए।

जीवन के धरातल से जुडी है भगवान की अंतिम वाणी : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड भवन में विराजित क्रांतिकारी श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने शनिवार को आयोजित श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन के दौरान कहा कि जिनवाणी श्रवण का संयोग दुर्लभ है। पुण्य की प्रबलता से ही इस योग की प्राप्ति होती है। इस योग का प्रयोग करके हमें अपने जीवन में पात्रता विकसित करनी चाहिए। प्रभु की अंतिम वाणी के एक एक शब्द में दया और करुणा मुखरित हो रही है। एक एक वाक्य में वैराग्य और संयम की सुवास छलक रही है। प्रभु महावीर प्राणी मात्र के दुःख ,पीड़ा और आकुलता को जानने वाले थे। सभी के दुःख निवारण की पवित्र भावना से ही यह जिनवाणी का निर्झर प्रवाहित हुआ।जिसका संकलन ही श्री उत्तराध्ययन सूत्र है। इसका प्रत्येक अध्ययन और विषय जीवन के धरातल से जुड़ा होने के कारण धरती के हर मानव को इस वाणी का श्रवण करके हृदयंगम करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। सफल जीवन की कसौटी है पात्रता और योग्यता का विकास। किसी भी चीज की प्राप्ति के पूर्व व्यक्ति को अपनी योग्यता का निरीक्षण करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में कर्मो के आक्रमण का कारण है कि उसके भीतर आस्था का दीप बुझ गया है। जिसने देव गुरु धर्म का सहारा लिया है उसके जीवन से सारे भय विदा हो जाते हैं। भयभीत वही होता है जिसका कोई सहारा नहीं होता। इस संसार में धर्म से बढ़कर कोई सहारा नहीं होता। जो आकर्षित करे मगर स्थिर नहीं रहे उसका नाम ही राग है। जहाँ वस्तु और व्यक्ति की पसंदगी के केंद्र में राग है।वहां भाग्य में धोखा के सिवाय कुछ भी नहीं होता। उन्होंने कहा वर्तमान दौर में व्यक्ति की जो मौजूदा जीवन शैली है वह जीवन को जीना नहीं अपितु खोने की तैयारी है। जीना उसे ही कहते हैं जहाँ किसी से न राग और न द्वेष है। एक बेहतरीन जीवन जीने के लिए समता की साधना बेहद जरुरी है। जिस दिन समता के पथ पर चलना प्रारम्भ कर दिया तो निश्चित समझना कि संत समागम व्यक्ति के लिए सौभाग्य के निर्माण का निमित्त बन गया। जीवन में समता भाव के उदय होते ही शत्रु मित्र के बीच भेद रेखा समाप्त हो जाती है। स्वभाव में सकारात्मक बदलाव घटित होने लगता है। फिर किसी के द्वारा किया कटुता पूर्ण व्यवहार का अपने ऊपर असर नहीं होगा और न ही किसी के प्रति कटुता, वैर वैमनस्य के बीज हृदय में अंकुरित होंगे। वहां सिर्फ सभी को सुखी समृद्ध देखने की पवित्र भावना का जन्म होगा। सबके प्रति प्रेम और मैत्री का व्यवहार होगा। मुनि श्री ने कहा कि हमें अशुभ कर्म के बंध से बचने के लिए दूसरों के गुण और अपने अवगुण देखना चाहिए। ऐसा आचरण करने वाला ही एक दिन सुखी बनता है। स्वभाव का यह परिवर्तन वर्त्तमान और भविष्य को अच्छा बनाने में कारगर सिद्ध होगा। इस मौके पर संरक्षक सुभाषचंद रांका, हुक्मीचंद कोठारी,पारसमल सुराणा, जवाहरलाल नाहर, नीलमचंद छाजेड, सुमेरमल बैद, इंदरचंद काँकलिया,अशोक छाजेड, महावीरचंद तालेड़ा,ललित नाहर, कुलदीप खिंवसरा,ि नर्मल नाहर, दिनेश सिंघवी आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इसके पूर्व वीर स्तुति और उत्तराध्ययन सूत्र का मूल पाठ वांचन किया गया। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने धर्मसभा का संचालन किया।

सम्यक दर्शन तप पूर्णाहुति एवं वर्मम थेरेपी शिविर का शुभारंभ

किलपॉक जैन संघ में आचार्य हीरचंद्रसूरिश्वरजी के सान्निध्य में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में तथा आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में शनिवार को पंन्यास श्री विमल पुण्यविजयजी एवं साध्वी पुण्यनिधिश्रीजी की सौवीं ओली के निमित्त आयोजित 72 दिवसीय सम्यग दर्शन तप की पूर्णाहुति संपन्न हुई।

इस अवसर पर संघ द्वारा तपस्वियों का पारणा आयोजन भी हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसी दिन संघ परिसर में तीन दिवसीय वर्मम थेरेपी शिविर का शुभारंभ भी हुआ। इसका उद्घाटन संघ अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल, सचिव मुकेश शाह, डॉ. रमेश एवं डॉ. किशोर ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में पहले ही दिन 100 से अधिक रोगियों की जांच एवं उपचार किया गया।

डॉ. रमेश ने बताया कि वर्मम थेरेपी एक प्राचीन सिद्ध चिकित्सा पद्धति है, जो शरीर के वर्मम बिंदुओं पर आधारित है। इन बिंदुओं पर दबाव, थपकी या मालिश द्वारा प्राण ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित कर शरीर को स्वस्थ बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा मांसपेशियों व जोड़ों के दर्द, गठिया व चोटों से तुरंत राहत देती है। प्राण ऊर्जा के बाधित प्रवाह को बहाल करती है। यह पूरी तरह दवा-रहित, गैर-आक्रामक और सरल चिकित्सा है। शारीरिक व सूक्ष्म शरीर में संतुलन स्थापित करती है। साथ ही उन्होंने चेताया कि वर्मम थेरेपी अत्यंत वैज्ञानिक और जटिल पद्धति है, जिसका अभ्यास केवल प्रशिक्षित व विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ही किया जाना चाहिए। अनुभवहीन हाथों में यह शरीर को हानि पहुंचा सकती है।

कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित, फसलें बर्बाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के कई जिलों में लगातार बारिश और नदियों के उफान पर होने के कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और फसलों तथा बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कलबुर्गी, यादगीर, बीदर, विजयपुरा, रायचूर और कोप्पल जिलों में भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित किया है। शुक्रवार देर रात बागलकोट जिले के महालिंगपुरा कस्बे में भारी बारिश के कारण एक घर की दीवार गिरने से 11 वर्षीय दर्शन नागपा लथुरा की मौत हो गई। इस घटना में घायल हुए उसके भाई का इलाज जारी है। अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ और भारी बारिश के कारण पशुधन के नुकसान की भी सूचना है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत अभियान जारी है, निचले इलाकों और नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर सड़कें और पुल उफनती नदियों में डूब गए हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कई घर और संपत्तियां क्षतिग्रस्त या जलमग्न हो गई हैं। उन्होंने बताया कि कृषि भूमि का एक बड़ा हिस्सा भी जलमग्न हो गया है, जिससे दालों, कपास, गन्ना और अंगूर जैसी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र के बांधों से 3.50 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे भीमा नदी का प्रवाह बढ़ गया है तथा बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई है।

कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियंक खरगे ने प्रभावित इलाकों के दौरे के बाद कहा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में लगातार बारिश और नदियों के उफान पर होने के कारण कलबुर्गी के 36 गांवों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी प्राथमिकता अपने लोगों की सुरक्षा है।'' मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य सरकार ने परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ और सभी उपलब्ध संसाधनों को तैनात किया है। उन्होंने कहा, ''हमने 36 राहत केंद्र खोले हैं, जहां 1,500 से अधिक लोगों को भोजन और आश्रय मिल रहा है।''

संकल्प मजबूत हो तो विकल्पों से मुक्ति मिलती है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर में प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि संकल्प मजबूत हो तो विकल्पों से मुक्ति मिलती है। श्रावक जयमल ने आचार्य भूधर के प्रवचन को सुन आजीवन कठोर ब्रह्मचर्य व्रत पालन का भीष्म संकल्प ले लिया था। उस समय उनकी उम्र मात्र 22 साल थी और विवाह भी हो गया था। परन्तु उन्होंने यह जान लिया था कि यौवन की ऊर्जा को शासन प्रभावना में लगाना है। मन, वचन और काया से शुद्ध ब्रह्मचर्य पालन से 180 उपवास का फल मिलता है और ब्रह्मचारी श्रेष्ठ अभयदान दाता होता है।ङ्कप्रवचन के प्रारंभ में साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि संकल्प शौर्य का प्रतीक और मन की दृढ़ता का परिचय होता है। संकल्प हमारे सहनशक्ति की परीक्षा होती है। मन वचन की स्थिरता संकल्प पूर्ति के लिए जरूरी होती है। जमीन में पड़ा बीज बहुत सहन कर ही वट वृक्ष बनता है। दृढ़ संकल्प से असंभव भी संभव हो जाता है। संकल्प से मन की एकाग्रता भी बढ़ती है। ङ्कसंघ में चल रहे डिजाइन योर लाइफ शिविर के दूसरे दिन साध्वी वृद्धिप्रभा कहा कि स्वस्थ बच्चियां, स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकती हैं।

'सीता चरित्र' कार्यक्रम में दिखी संस्कृति व सभ्यता की झलक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि द्वारा शुक्रवार को 'सीता' नामक कार्यक्रम में मुख्य संयोजिका अंजना चांडक ने अपनी प्रस्तुति दी।

चांडक ने नृत्य नाटिका व संवाद द्वारा मां सीता के चरित्र का मार्मिक वर्णन किया। अध्यक्ष माया अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन में सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, सलाहकार मंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मला गोयल, लता चौधरी, संयुक्त सचिव पल्लवी पोद्दार ने व्यवस्था संभाली। प्रायोजक गजेन्द्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.